▪ चैत्र शुक्ल - 8 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 248 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 06-04-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 राजनीति में अपना लक्ष्य बदलना नहीं चाहिए : सचिन पायलट

6 कैप्टन बीएम करिअप्पा : खड़ी चढ़ाई, गहरा अंधेरा ... चुनौतियों से जूझकर घुसपैठियों का कर दिया काम तमाम

7 कांग्रेस की नरमी के कारण वक्फ बोर्ड नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं : कंगना रनौत

फर्स्ट टेक

नेपाल में दो बार आए भूकंप से आठ लोग घायल

काठमांडू/भाषा। नेपाल के पश्चिमी जाजरकोट जिले में शुक्रवार को आए दो भूकंप में आठ लोग घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। नेपाल के पश्चिमी क्षेत्र में शुक्रवार शाम को लगातार दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए और ये मात्र तीन मिनट के अंतराल पर आए थे। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी केंद्र के अनुसार, जाजरकोट जिले में स्थानीय समयानुसार रात 8:07 बजे 5.2 तीव्रता का पहला भूकंप आया। इसके बाद रात 8:10 बजे 5.5 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। इसने बताया कि दोनों भूकंप का केंद्र काठमांडू से लगभग 525 किलोमीटर पश्चिम में जाजरकोट जिले के पानिक क्षेत्र में था। अधिकारियों के अनुसार, जाजरकोट में भूकंप के कारण छह लोग और रुकुम पश्चिम में दो लोग घायल हो गए हैं।

नाइजीरिया में बंदूकधारियों के हमलों में इस सप्ताह 52 लोगों की मौत

अबुजा/एजेन्सी। मध्य नाइजीरिया में संदिग्ध बंदूकधारियों ने इस सप्ताह के दौरान कम से कम 52 लोगों की हत्या कर दी। स्थानीय अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बुधवार रात से हुए हमलों ने प्लेट्यू राज्य के बोक्कोस स्थानीय सरकार क्षेत्र में समुदायों में दहशत पैदा कर दी है। बोक्कोस सांस्कृतिक विकास परिषद वैनगार्ड के प्रमुख फार्मासुम फुडांग ने राज्य की राजधानी जोस में संवाददाताओं को बताया कि हमलावरों ने स्थानीय लोगों पर अंधाधुंध गोलीबारी की और घरों में आग लगा दी। हमलों में कई लोग मारे गये और कई अन्य घायल हो गये।

कुणाल कामरा तीसरी बार मुंबई पुलिस के सामने नहीं हुए पेश

मुंबई/एजेन्सी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बारे में कथित विवादास्पद टिप्पणियों को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा शनिवार को शहर की पुलिस के सामने तीसरी बार पेश नहीं हुए। पुलिस शिंदे के खिलाफ उनके विवादास्पद बयान के संबंध में उनके खिलाफ दर्ज कई मामलों में उनसे पूछताछ करना चाहती है। पुलिस के अनुसार पुडुचेरी में रहने वाले कामरा को आज पांच अप्रैल को सुबह 11 बजे तक खार पुलिस के सामने पेश होने के लिए कहा गया था। खार पुलिस ने शिवसेना विधायक मुरजी पटेल की शिकायत पर कामरा के खिलाफ मामला दर्ज किया। कामरा ने मद्रास उच्च न्यायालय से मामले में सात अप्रैल तक अंतरिम अग्रिम जमानत हासिल की थी।

06-04-2025 सूर्यास्त 6:31 बजे	07-04-2025 सूर्योदय 6:12 बजे
BSE 75,364.69 (-930.67)	NSE 22,904.45 (-345.65)
सोना 9,244 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 100,300 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

लीक-युग

हो रही लीक अब कविताएं,
शायर कवि हैं सारे अवाक।
पेपर जब लीक हुए सारे,
हो गई परीक्षा तभी खाक।
डाटा भी लीक हुए जाते,
करते निजता में ताक-झाँक।
हो रहे करेक्टर आज लीक,
यह दौर बड़ा ही शर्मनाक।।

भारत और श्रीलंका के बीच महत्वपूर्ण रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो/भाषा। भारत और श्रीलंका ने पहली बार सैन्य क्षेत्र में गहन सहयोग के लिए एक ढांचे को संस्थागत बनाने के संबंध में शनिवार को प्रमुख रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों की सुरक्षा एक दूसरे से जुड़ी हुई है और एक दूसरे पर निर्भर है। यह महत्वपूर्ण समझौता श्रीलंका में भारतीय शांति रक्षा सेना (आईपीकेएफ) के हस्तक्षेप के लगभग चार दशक बाद हुआ है, जिससे दोनों देशों के बीच रक्षा संबंधों में बेहतरी का संकेत मिलता है।

प्रधानमंत्री मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने कुल सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें त्रिंकोमाली को ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित करने तथा पावर ग्रिड कनेक्टिविटी पर एक समझौता शामिल है। त्रिपक्षीय ढांचे के तहत त्रिंकोमाली को ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित करने से संबंधित समझौता में संयुक्त अरब अमीरात भी शामिल है।

मोदी ने दोहराया कि भारत हमेशा श्रीलंका के लोगों के साथ खड़ा रहेगा, वहीं दिसानायके ने कहा कि श्रीलंका अपनी भूमि का इस्तेमाल किसी भी ऐसे तरीके से नहीं होने देगा जो भारत और क्षेत्र के सुरक्षा हितों के प्रतिकूल हो।

बैठक में प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के बीच मछुआरों के विवादास्पद मुद्दे को ''मानवीय दृष्टिकोण'' से सुलझाने की वकालत की और उम्मीद जताई कि श्रीलंका तमिल लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेगा और प्रांतीय परिषद के चुनाव कराएगा।

भारत सच्चे पड़ोसी के रूप में हर परिस्थिति में श्रीलंका के साथ है : मोदी

कोलंबो/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत-श्रीलंका के सुरक्षा हित समान हैं, उनकी सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी है तथा भारत सच्चे पड़ोसी तथा मित्र के रूप में हर प्रतिकूल परिस्थिति में श्रीलंका के साथ खड़ा है। श्रीलंका यात्रा पर आये मोदी ने शनिवार को यहां राष्ट्रपति अनुरा दिसानायका के संयुक्त प्रेस वक्तव्य के अवसर पर कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच सदियों पुराने आध्यात्मिक और आत्मीयता भरे संबंध हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने सबका साथ सबका विकास के विजन को अपनाया है और हम अपने पार्टनर देशों की प्राथमिकताओं को भी महत्व देते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में दोनों देश अपनी भागीदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि मछुआरों के मुद्दे पर भी चर्चा हुई और श्री मोदी ने मछुआरों को तुरंत रिहा किये जाने और उनकी नौकाओं को वापस भेजने पर जोर दिया है।

श्रीलंका ने प्रधानमंत्री मोदी को प्रदान किया मित्र विभूषण पुरस्कार

कोलंबो/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को शनिवार को श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका के लिए 'मित्र विभूषण' पुरस्कार से सम्मानित किया। श्रीलंका का यह सर्वोच्च नागरिक सम्मान है जिसकी शुरुआत फरवरी 2008 में तत्कालीन राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे ने की थी। मोदी ने अपने संबोधन में कहा, ''राष्ट्रपति दिसानायके द्वारा श्रीलंका मित्र विभूषण से सम्मानित किया जाना मेरे लिए सम्मान की बात है। यह 1.4 अरब भारतीयों के लिए भी सम्मान की बात है।'' दिसानायके ने कोलंबो स्थित राष्ट्रपति सचिवालय में आयोजित एक समारोह के दौरान मोदी को यह पुरस्कार प्रदान किया।

तमिल समुदाय की 'गरिमा' को लेकर 'अटूट' है भारत की प्रतिबद्धता : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके को बताया कि भारत कोलंबो से तमिल समुदाय की आकांक्षाओं को पूरा करने और प्रांतीय परिषद के चुनाव कराने की अपेक्षा रखता है। इस मुद्दे पर यहां मोदी और दिसानायके के बीच व्यापक बातचीत के दौरान चर्चा हुई।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीलंका के उत्तरी और पूर्वी प्रांतों के तमिल नेताओं के एक समूह से मुलाकात की और समुदाय के कल्याण के लिए काम करने की भारत की प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

मोदी ने तमिल समुदाय के नेताओं से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि वह एकीकृत श्रीलंका में तमिल समुदाय के लिए 'समानता, सम्मान और न्याय के जीवन' के प्रति भारत की 'अटूट प्रतिबद्धता' एक बार फिर से दोहराते हैं।

श्रीलंका में तमिल समुदाय श्रीलंका के संविधान में किये गए 13वें संशोधन को लागू करने की मांग कर रहा है, जो उन्हें सत्ता में भागीदारी एवं शक्तियों का हस्तांतरण प्रदान करता है। वर्ष 1987 के भारत-श्रीलंका समझौते के बाद 13वां संशोधन लाया गया था।

मोदी ने दिसानायके के साथ वार्ता के बाद मीडिया को दिए गए अपने बयान में आशा व्यक्त की कि कोलंबो देश के संविधान को पूरी तरह लागू करने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''हमने श्रीलंका में पुनर्निर्माण और समाधान के बारे में भी बात की। राष्ट्रपति दिसानायके ने मुझे उनके समावेशी दृष्टिकोण के बारे में बताया और उसकी सराहना की।''

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने समान नागरिक संहिता की वकालत की

- संसद और राज्य विधानमंडलों से एक ऐसा कानून बनाने के लिए ठोस प्रयास करने का आग्रह किया
- सभी धर्मों की महिलाओं के लिए समानता पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने संसद और राज्य विधानमंडलों से एक ऐसा कानून बनाने के लिए ठोस प्रयास करने का आग्रह किया है, जिससे समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू हो सके। न्यायालय ने सभी नागरिकों, विशेषकर महिलाओं के लिए समानता, धर्मनिरपेक्षता और न्याय के संवैधानिक दृष्टिकोण को कायम रखने में इसके महत्व पर जोर दिया।

यह महत्वपूर्ण अनुशंसा न्यायमूर्ति हंचाटे संजीव कुमार की अध्यक्षता वाली एकल पीठ द्वारा एक दिवंगत मुस्लिम महिला शहनाज बेगम के पति और भाई-बहन के बीच संपत्ति विवाद से संबंधित एक दीवानी अपील पर फैसला सुनाते हुए की गई। इस मामले ने व्यक्तिगत धार्मिक कानूनों द्वारा शासित उत्तराधिकार कानूनों और लैंगिक न्याय पर उनके निहितार्थों के बारे में व्यापक प्रश्न उठाए।

न्यायमूर्ति कुमार ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत समान नागरिक संहिता के अधिनियमन से प्रस्तावना में निहित आदर्शों - अर्थात न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और राष्ट्रीय एकता को पूरा किया जा सकेगा। अदालत ने चार अप्रैल को अपनी टिप्पणी में कहा, ''देश को पर्सनल लॉ और धर्म के संबंध में एक समान नागरिक संहिता की आवश्यकता है''। इसने कहा, ''तभी भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 का उद्देश्य प्राप्त होगा।'' न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि यद्यपि देशभर में महिलाओं को संविधान के तहत समान अधिकार प्राप्त हैं, लेकिन धर्म आधारित व्यक्तिगत कानूनों के कारण उनके साथ असमान व्यवहार किया जाता है।

भारत ने भूकंप प्रभावित म्यांमार के लिए 442 मीट्रिक टन खाद्य सहायता पहुंचाई

मांडले (म्यांमार)/भाषा। भारत ने भूकंप प्रभावित म्यांमार की मदद के लिए जारी 'ऑपरेशन ब्रह्मा' के तहत दक्षिणी तटीय क्षेत्र के थिलावा बंदरगाह पर शनिवार को यंगून क्षेत्र के मुख्यमंत्री को खाद्य सामग्री की एक बड़ी खेप सौंपी। म्यांमार में 28 मार्च को 7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था, जिसमें 3,100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। भारत ने म्यांमार और थाईलैंड में आए भूकंप से हुई तबाही के बाद तलाश एवं बचाव (एसएआर), मानवीय सहायता, आपदा राहत और चिकित्सा सहायता सहित आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए 'ऑपरेशन ब्रह्मा' नाम से राहत मिशन शुरू किया था। भारत ने 24 घंटे से भी कम समय में म्यांमार को मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) सामग्री की पहली खेप पहुंचाई थी। भारत ने म्यांमार से लगभग 400 किलोमीटर दक्षिण में थिलावा बंदरगाह पर नौसेना के एक पोत से शनिवार को 442 मीट्रिक टन खाद्य सामग्री पहुंचाई।

हिंसा छोड़ विकास यात्रा का हिस्सा बनें नक्सली : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दंतेवाड़ा/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को नक्सलियों से हिंसा छोड़ने और बस्तर की विकास यात्रा का हिस्सा बनने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जब कोई नक्सली मारा जाता है तो कोई भी खुश नहीं होता है।

अमित शाह ने अगले वर्ष मार्च तक भारत से नक्सलवाद का सफाया होने का दावा करते हुए कहा कि अब नक्सली हथियारों के बल पर आदिवासियों के विकास को नहीं रोक सकते।

शाह ने दंतेवाड़ा शहर में राज्य सरकार द्वारा आयोजित 'बस्तर पंडुम' महोत्सव के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि अगले वर्ष यह कार्यक्रम राज्य में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें देश भर के आदिवासी भाग लेंगे।

शाह ने कहा, ''वे दिन चले गए जब यहां (बस्तर में) गोलियां चलती थीं और बम फटते थे। मैं उन सभी नक्सली भाइयों से अनुरोध करता हूं, जिनके हाथ में हथियार हैं और जिनके पास नहीं भी हैं, वे हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हों। आप हमारे अपने लोग हैं। किसी नक्सली के मारे जाने पर कोई खुश नहीं होता।'' उन्होंने कहा, ''इस क्षेत्र को विकास की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच वर्ष में बस्तर को वह सब कुछ देना चाहते हैं, जिसने 50 साल से विकास नहीं देखा। लेकिन यह कैसे हो सकता है? यह तभी हो सकता है जब बस्तर में शांति हो, बच्चे स्कूल जाएं, गांवों और तहसीलों में स्वास्थ्य सुविधाएं हों, हर किसी के पास आधार कार्ड, राशन कार्ड और स्वास्थ्य बीमा हो। यह तभी हो सकता है जब बस्तर के लोग तय करें कि वे अपने घरों और गांवों को नक्सल मुक्त बनाएंगे।'' शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने घोषणा की है कि जो गांव नक्सलियों के आत्मसमर्पण में मदद करेंगे और खुद को माओवादी मुक्त घोषित करेंगे, उन्हें एक करोड़ रुपए (निर्माण कार्यों के लिए) दिए जाएंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री ने माओवादियों से हिंसा छोड़ने की अपील करते हुए कहा, ''कोई किसी को मारना नहीं चाहता। ... बस अपने हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल हो जाएं। भारत सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार आपको पूरी सुरक्षा देगी। अब आप हथियार उठाकर अपने आदिवासी भाइयों और बहनों के विकास को नहीं रोक सकते। अपने हथियार छोड़ो और आत्मसमर्पण करो और विकास प्रक्रिया का हिस्सा बनो।''

'आयुष्मान, एक आश्वासन योजना जो विश्वास पर है आधारित' : नड्डा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान योजना) को लागू करने के लिए शनिवार को केंद्र के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने इसे सिर्फ बीमा योजना नहीं बल्कि आश्वासन योजना करार दिया और कहा कि ये विश्वास पर आधारित है। उन्होंने पिछली आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह अपने 'अहंकार' के कारण राष्ट्रीय राजधानी के निवासियों को योजना के लाभों से वंचित कर रही थी।

समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के साथ ही दिल्ली इस योजना को लागू करने वाला 35वां राज्य/केंद्र शासित प्रदेश बन गया है। पश्चिम बंगाल अब एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसने इस योजना को लागू नहीं किया है।

मध्य यूक्रेन पर रूस के मिसाइल हमले में मृतकों की संख्या 18 हुई

कीव/एपी। मध्य यूक्रेन के शहर क्रीवी रीह में रूस द्वारा किये गए मिसाइल हमले में मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 18 हो गई है, जिनमें नौ बच्चे भी शामिल हैं। क्षेत्रीय गवर्नर सेरही लिसाक ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को हुए हमले में 61 लोग घायल हुए हैं, जिनमें तीन महीने के बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक शामिल हैं। गवर्नर ने कहा कि 40 लोग अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें दो बच्चों की हालत गंभीर है और 17 की हालत गंभीर है। शहर की रक्षा परिषद के प्रमुख ओलेक्सांद्र विलकुल ने कहा, ''इसके लिए कभी माफी नहीं मिल सकती। पीड़ितों को हमेशा याद रखें।'' क्रीवी रिह यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की का गृहनगर है। जेलेंस्की ने टेलीग्राम संदेश पर लिखा, ''मिसाइल आवासीय भवनों के ठीक बगल वाले क्षेत्र में गिरी। इससे एक खेल का मैदान और आम सड़कें भी क्षतिग्रस्त हुईं।'' स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि हमले में लगभग 20 आवासीय इमारतें, 30 से अधिक वाहन, एक शैक्षणिक भवन और एक रेस्तरां क्षतिग्रस्त हो गया।

साइकिल पर रॉकेट ढोने से लेकर चंद्रयान मिशन तक, भारत ने एक लंबा सफर तय किया है : इसरो अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझिकोड (केरल)/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने शनिवार को कहा कि 1970 के दशक में साइकिल पर रॉकेट के पुर्जे और बैलगाड़ी पर उपग्रह ले जाने से लेकर, सफल मंगल ऑर्बिटर और चंद्रयान मिशन का सफर तय भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में विश्व के अग्रणी देशों में शामिल हो गया है और इसने कई विश्व रिकॉर्ड भी बनाए हैं।

नारायणन ने भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) कोझिकोड के 27वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देश ने सोवियत रॉकेट से अपना पहला उपग्रह आर्यभट्ट प्रक्षेपित करने के बाद से एक लंबा सफर तय किया है। उन्होंने कहा कि अब भारत के 131 उपग्रह कक्षा में हैं, उसने 34 देशों के लिए 433 उपग्रह प्रक्षेपित किए हैं तथा इस वर्ष 29 जनवरी को उसने अपना 100वां प्रक्षेपण सफलतापूर्वक पूरा किया है।

इसरो प्रमुख ने कहा कि इसके अलावा, भारत चंद्रयान-1 मिशन के माध्यम से चंद्रमा पर जल के अणुओं की खोज करने वाला पहला देश था और चंद्रयान-3 मिशन के माध्यम से उसके दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश था, जिससे वह अंतरिक्ष क्षेत्र में अग्रणी देशों की कतार में शामिल हो गया। उन्होंने कहा, ''भारत पहला और एकमात्र देश है जिसने पहले प्रयास में ही मंगल आर्बिटर मिशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।''

नारायणन ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की यात्रा पर संक्षिप्त जानकारी देते हुए कहा कि जब देश ने अपना अंतरिक्ष कार्यक्रम शुरू किया था तब वह 60 से 70 वर्ष पीछे था। उन्होंने कहा, ''फिर 90 के दशक में हमें क्रायोजेनिक इंजन तकनीक से वंचित कर दिया गया और हमें अपमानित किया गया। आज भारत ने तीन क्रायोजेनिक इंजन बना लिए हैं और ऐसा करने वाले दुनिया के छह देशों में से एक बन गया है।'' उन्होंने कहा कि भारत ने क्रायोजेनिक इंजन के संबंध में तीन विश्व कीर्तिमान भी स्थापित किये।

नारायणन ने कहा कि आमतौर पर देश 9-10 क्रायोजेनिक इंजन विकसित करते हैं, फिर इंजन के परीक्षण से लेकर उड़ान तक कम से कम 42 महीने लगते हैं और रॉकेट प्रणोदन प्रणाली के परीक्षण में भी कम से कम पांच महीने लगते हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने तीन क्रायोजेनिक इंजनों के साथ उड़ान स्तर तक इंजन का परीक्षण 28 महीनों में पूरा कर लिया तथा रॉकेट प्रणोदन प्रणाली का परीक्षण 34 दिनों में कर लिया - ये तीनों ही विश्व कीर्तिमान हैं।

नारायणन ने कहा कि भारत दुनिया के उन चार देशों में से एक है जिसके पास सूर्य का अध्ययन करने वाला उपग्रह है और वह जापान के सहयोग से चंद्रयान-5 मिशन को अंजाम देगा।

सहज स्मृति योग

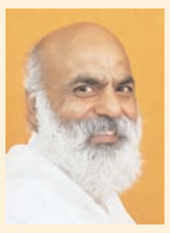

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, वर्तमान समय में धनी और निर्धन सफल और असफल सभी तरह के लोग अवसाद के शिकार हो रहे हैं जिससे लोगों में स्वयं अपने प्रति और अपने परिवारजनों के प्रति किए गए अपराधों की घटनाएं भी बढ़ीं हैं ।युवा पीढ़ी में आत्मघात और नशीली दवाओं का प्रयोग बढ़ता ही जा रहा है। आपकी दृष्टि में इन समस्याओं का मूल कारण क्या है और निवारण क्या है ?

उत्तर: यह जरूरी नहीं है कि मूल कारण कोई एक ही हो। अलग-अलग व्यक्तियों के अवसादग्रस्त होने के कारण अलग-अलग हो सकते हैं और कईयों के एक समान कारण भी हो सकते हैं। जैसे कहीं आर्थिक असुरक्षा की भावना तो कहीं भावनात्मक असुरक्षा से आई निरर्थकता की भावना, तो कहीं भावना-हीनता अर्थात् मन में भाव (रस) का अभाव भी इसका कारण हो जाता है। जीवन में आई नीरसता तो अनेक उच्च शिक्षित परिवारों और व्यक्तियों को भावनात्मक रूप से खोखला कर अवसाद ग्रस्त कर रही है। भावहीनता और असंवेदनशीलता जैसी इन्हीं कमियों को अपनी विशेषता मानकर अपराध बोध या श्रेष्ठता बोध से ग्रसित होना भी अच्छे भले व्यक्ति को अवसादी बना देता है। अवसाद ग्रस्त होने से पूर्व इसका निराकरण ध्यान, योग, अध्यात्म है और अवसाद ग्रस्त होने पर भी चिकित्सकीय उपचार के उपरांत स्थायी निवारण भी परिवारों का आध्यात्मिक होना ही है। आज राम नवमी है तो कहें कि राम जैसा चरित्र होना ही समाधान है।

समझौता

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, सड़क परिवहन और राजमार्ग और कॉर्पोरेट मामलों के राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद मनोज तिवारी, केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल शनिवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण और दिल्ली सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह के दौरान।

पंबन पुल 80 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से ट्रेन परिचालन के लिए सुरक्षित : आरवीएनएल निदेशक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। नया पंबन पुल 100 वर्षों तक 80 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से ट्रेन परिचालन के लिए सुरक्षित है। पुल का निर्माण कराने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम आरवीएनएल के निदेशक ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छह अप्रैल को रामेश्वरम में पंबन पुल का उद्घाटन करेंगे। रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) के निदेशक (संचालन) एम पी सिंह ने कहा कि विशेषज्ञ समिति ने इस पुल के सभी पहलुओं की गहन जांच की।

सिंह पुल की सुरक्षा चिंताओं पर विचार करने के लिए पिछले नवंबर में गठित विशेषज्ञ समिति के पांच सदस्यों में शामिल थे। उन्होंने कहा कि समिति इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि यह पुल 100 वर्षों तक 80 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से रेलगाड़ियां चलाने के लिए संरचनात्मक रूप से सुरक्षित है। सिंह ने पीटीआई-भाषा' को बताया, हालांकि यह पुल 160 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से रेलगाड़ियां चलाने के लिए सुरक्षित है, लेकिन रामेश्वरम छोर की ओर इसके झुकाव के कारण, गति सुरक्षित रूप से 80 किलोमीटर प्रति घंटे तय की गई है।

उन्होंने कहा कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) द्वारा पुल के डिजाइन और इसकी मजबूती पर चिंता जताए जाने के बाद पुल के हर पहलू की गहन पड़ताल की गई। सिंह ने कहा, समिति ने पुल के डिजाइन और अन्य सभी चिंताजनक बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया और पाया कि वे प्रासंगिक प्रावधानों के अनुरूप हैं। उन्होंने बताया कि आईआईटी बॉम्बे और आईआईटी मद्रास भी डिजाइन की पड़ताल में शामिल थे।

कृषि योजना का पैसा सगाई और शादियों पर खर्च करते हैं किसान : कोकाटे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नासिक/ मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे ने दावा किया है कि किसान कृषि योजनाओं से प्राप्त धन को इच्छित उद्देश्यों पर खर्च नहीं करते, बल्कि इसका उपयोग सगाई समारोहों और शादियों में करते हैं।

कांग्रेस ने मंत्री को उनकी विवादास्पद टिप्पणी के लिए आड़े हाथ लिया और इसे किसानों का अपमान करार दिया। विपक्षी पार्टी ने कोकाटे को बर्खास्त करने की मांग की।

कोकाटे ने यह बयान शुक्रवार को नासिक जिले में हाल ही में हुई बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से प्रभावित कुछ गांवों के दौरे के दौरान दिया।

मंत्री ने यह टिप्पणी तब की जब एक किसान ने पूछा कि क्या नियमित रूप से ऋण चुकाने वाले कृषकों को ऋण माफी मिल सकती है। उन्होंने सवाल किया, ''कर्ज माफी के बाद आप पैसे का क्या करते हैं? क्या आप इसे कृषि में निवेश करते हैं?''

कोकाटे उपमुख्यमंत्री अजित पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा)के सदस्य हैं। वह नासिक जिले के सिन्नर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं, जहां हाल ही में असामयिक बारिश और ओलावृष्टि के कारण प्याज और अंगूर जैसी फसलें प्रभावित हुई थीं।

मंत्री ने कहा, ''किसान 5-10 साल तक इंतजार करते हैं और कर्ज नहीं चुकाते। सरकार आपको खेती में निवेश करने के लिए पैसे देगी। यह पैसा पानी की पाइपलाइन, सिंचाई और तालाबों के लिए है। सरकार पूंजी निवेश करती है। क्या किसान ऐसा निवेश करते हैं?'' उन्होंने दावा किया, ''किसानों का कहना है कि वे फसल बीमा का पैसा चाहते हैं, लेकिन इसका इस्तेमाल सगाई समारोहों और शादियों पर करते हैं।''

कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने शनिवार को मंत्री पर किसानों का अपमान करने का आरोप लगाया और उन्हें मंत्रिमंडल से निष्कासित करने की मांग की। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''क्या सरकार किसानों को वित्तीय सहायता देकर कोई उपकार कर रही है? यह जनता का पैसा है, मणिकराव कोकाटे के परिवार का नहीं।''

महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत 'महायुती' सरकार में राकांपा और शिवसेना भी शामिल हैं।

सपकाल ने कहा कि महायुति किसानों का अपमान करने का कोई मौका नहीं छोड़ती। उन्होंने मांग की कि कोकाटे अपनी टिप्पणी के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगें।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, ''राज्य के कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे सत्ता के नशे में इतने चूर हैं कि वे लगातार किसानों का अपमान करते रहते हैं। किसानों को भिखारी कहने के बाद, उन्होंने एक बार फिर अजीबोगरीब सवाल पूछकर उनका अपमान किया है, जैसे 'आप कर्जमाफी का क्या करते हैं - इसका इस्तेमाल शादी या सगाई में करते हैं'।''

कांग्रेस नेता ने कहा कि महायुति ने सत्ता में आने के बाद किसानों के कर्ज माफ करने का वादा किया था, लेकिन अभी तक इसे पूरा नहीं किया गया है। उन्होंने दावा किया कि सरकार अब कह रही है कि कर्ज माफी के लिए पैसे नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''अगर सरकार की नीतियां कृषि और किसानों के अनुकूल होतीं, तो वे उन योजनाओं पर निर्भर क्यों होते? भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार किसान विरोधी है।''

सपकाल ने दावा किया, ''जब मुट्ठी भर उद्योगपतियों को 16 लाख करोड़ रुपए की ऋण माफी दी गई, तो न तो कोकाटे और न ही सरकार ने इस पर सवाल उठाने का साहस जुटाया।''

कांग्रेस नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंत्रियों को विनम्र रहने की सलाह दी है, लेकिन वे मुख्यमंत्री का भी सम्मान नहीं करते और इसके बजाय 'बकवास' करते हैं।

बेहतर प्रबंधन के लिए चारधाम यात्रा मार्ग को जोन में बांटा गया

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के चार प्रसिद्ध हिमालयी मंदिरों की वार्षिक तीर्थयात्रा के बेहतर प्रबंधन के लिए चारधाम यात्रा मार्ग को 15 सुपर जोन, 41 जोन और 137 सेक्टर में बांटा गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। गढ़वाल के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) राजीव स्वरूप ने शनिवार को कहा कि सुरक्षा और परिवहन व्यवस्था की निगरानी के लिए मार्ग पर 6,000 से अधिक जवान तैनात किए जाएंगे। यात्रा के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए स्वरूप ने बताया कि प्रत्येक सेक्टर 10 किलोमीटर क्षेत्र का होगा, जहां सुरक्षाकर्मी चौबीसों घंटे गश्त करेंगे तथा अन्य ड्यूटी करेंगे। आईजी ने बताया कि रेंज कार्यालय में पुलिस अधीक्षक (यातायात) लोकजीत सिंह की अध्यक्षता में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से सुरक्षा व्यवस्था, यातायात, भीड़ और आपदा प्रबंधन की तैयारियों की निगरानी करेंगे।

चारधाम यात्रा 30 अप्रैल को गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिर के कपाट खुलने के साथ शुरू होगी। केदारनाथ के कपाट दो मई को और बद्रीनाथ के कपाट चार मई को खुलेंगे। आईजी ने बताया कि अगले पांच दिनों में रेंज कार्यालय में यात्रा नियंत्रण कक्ष शुरू हो जाएगा। इस नियंत्रण कक्ष में एक पुलिस उपाधीक्षक, दो निरीक्षक, चार उपनिरीक्षक, एक हेड कांस्टेबल और एक कांस्टेबल के अलावा एक प्रभारी अधिकारी तैनात रहेंगे। यह नियंत्रण कक्ष 247 काम करेगा। उन्होंने कहा कि अन्य विभागों के साथ समन्वय के लिए नियंत्रण कक्ष में एक विशेष डेस्क भी स्थापित की जाएगी। इसके अलावा पुलिस मुख्यालय में पुलिस उपमहानिरीक्षक (कानून व्यवस्था) धीरेंद्र गुंज्याल के नेतृत्व में अलग से चारधाम सेल का गठन किया जाएगा।

केजरीवाल ने 'शीश महल' के रखरखाव पर हर महीने 31 लाख रुपए खर्च किए : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत दायर एक आवेदन से प्राप्त जवाब का हवाला देते हुए शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। आरटीआई में खुलासा हुआ है कि पूर्व मुख्यमंत्री के बंगले के रखरखाव पर 2015-2022 के बीच सालाना 3.69 करोड़ रुपए का खर्च आया था।

भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आरटीआई के तहत प्राप्त जानकारी से पता चला कि केजरीवाल के पिछले बंगले के नियमित रखरखाव पर सालाना कुल 3,69,54,384 रुपए खर्च किए गए थे। भाजपा के आरोपों पर केजरीवाल या आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई।

सचदेवा ने आरटीआई से प्राप्त जवाब का हवाला देते हुए कहा कि 31 मार्च 2015 से 27 दिसंबर 2022 के बीच 'फ्लैग स्टाफ रोड' पर स्थित केजरीवाल के सरकारी बंगले की सामान्य मरम्मत, सीवर संबंधी समस्याओं, बिजली और संरचनात्मक कार्यों पर 29.56 करोड़ रुपए खर्च किए गए।

भाजपा नेता ने केजरीवाल से आगे आकर यह बताने को कहा कि उनके बंगले में आखिर ऐसी क्या कमी थी कि इसके रखरखाव पर हर महीने 31 लाख रुपए खर्च करने पड़ रहे थे।

सचदेवा ने दावा किया कि आम आदमी की सरकार चलाने के वादे के साथ सत्ता में आए केजरीवाल की असलियत 52 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए 'शीश महल' में उनकी 'शानदार जीवनशैली' से उजागर हो चुकी है। उन्होंने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, हम केजरीवाल की पांच सितारा जीवनशैली और भ्रष्टाचार के और सबूत पेश कर रहे हैं तथा हम उनसे तत्काल जवाब की मांग करते हैं।

बैठक

तेलंगाना विधानसभा में विपक्ष के नेता के. चंद्रशेखर राव ने शनिवार को तेलंगाना के सिद्दीपेट जिले के एरावेली में अपने आवास पर बीआरएस पार्टी के रजत जयंती समारोह से पहले संयुक्त खम्मम, महबूबनगर और नलगोंडा जिलों के प्रमुख नेताओं के साथ एक तैयारी बैठक की अध्यक्षता की।

यूसीसी समतावादी समाज और लैंगिक समानता की दिशा में प्रगति को दर्शाता है : उत्तराखंड सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नैनीताल/भाषा। उत्तराखंड उच्च न्यायालय में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के प्रावधानों को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं के जवाब में यूसीसी को सही ठहराते हुए राज्य सरकार ने कहा कि यह एक अधिक समतावादी समाज की ओर बढ़ने और लैंगिक समानता के प्रति प्रदेश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सरकार ने कहा कि यूसीसी संविधान निर्माताओं के सपनों और उम्मीदों को भी साकार कर रहा है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने हाल ही में अदालत में दाखिल एक हलफनामे में कहा, ''समान नागरिक संहिता एक अधिक समतावादी समाज की ओर बढ़ने और सामाजिक प्रगति व लैंगिक समानता के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।''

सरकार की ओर से दाखिल हलफनामे में संविधान के अनुच्छेद 44 का हवाला देते हुए बताया गया कि यह राज्य सरकार को व्यक्तिगत कानूनों को पूरी तरह से वैधानिक कानूनों से बदलने के लिए अपनी विधायी शक्ति का प्रयोग करने की अनुमति देता है।

हलफनामे के मुताबिक, राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों से संबंधित संविधान का अनुच्छेद 44 पूरे देश में एक समान नागरिक संहिता लाकर नागरिकों को सुरक्षित करने का प्रावधान करता है।

हलफनामे में बताया गया कि यूसीसी संविधान निर्माताओं के सपनों और उम्मीदों को पूरा करने का प्रयास करता है।

हलफनामे के मुताबिक, यूसीसी से यह भी पता चलता है कि धर्म आधारित व्यक्तिगत कानून धार्मिक समुदायों का सामूहिक मौलिक अधिकार नहीं है।

उत्तराखंड इस वर्ष 27 जनवरी को यूसीसी लागू करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया। हालांकि, यूसीसी के लागू होने के तुरंत बाद इसके विभिन्न प्रावधानों को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में कई याचिकाएं दायर की गईं, विशेष रूप से सहजीवन संबंध के अनिवार्य पंजीकरण पर सवाल उठाए गए हैं। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, सहजीवन संबंध का अनिवार्य पंजीकरण लोगों के निजता के अधिकार का उल्लंघन है।

यूसीसी को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 22 अप्रैल को मुख्य न्यायाधीश गुहानाथन नरेंद्र की अध्यक्षता वाली उच्च न्यायालय की खंडपीठ सुनवाई करेगी।

सरकार ने जनहित याचिकाओं के जवाब में दाखिल अपने हलफनामे में बताया कि यूसीसी विधायी राज्य नीति के माध्यम से जनादेश की अभिव्यक्ति है। हलफनामे में यह भी बताया गया कि यूसीसी का मसौदा तैयार कर व्यापक परामर्श के बाद लागू किया गया। हलफनामे के मुताबिक, यूसीसी लागू करने से पहले पूरे राज्य में 36 बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें सार्वजनिक संवाद से लेकर पुलिस, कानून और समाज कल्याण विभागों के अधिकारियों के साथ चर्चाएं शामिल थीं।

कन्या पूजन

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को नई दिल्ली के शालीमार बाग स्थित राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय में अष्टमी के अवसर पर 'कन्या पूजन' किया।

अभिनेता मनोज कुमार ने कॉलेज पत्रिका में लिखा : 'हिंदू ने मुझे बचाया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। अपने बचपन के एक महत्वपूर्ण पल को याद करते हुए अभिनेता मनोज कुमार ने लिखा था, मैंने विभाजन के दंगों के दौरान हिंदू कॉलेज परिसर में शरण ली थी और इसने मेरी जान बचाई। देशभक्ति फिल्मों के लिए 'भारत कुमार' के नाम से मशहूर मनोज कुमार का शुक्रवार सुबह मुंबई में निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे। मनोज कुमार कुछ समय से बीमार थे और उम्र संबंधी समस्याओं के कारण कोकिलाबेन अंबानी अस्पताल में तड़के करीब साढ़े तीन बजे उनका निधन हो गया। पद्मश्री और दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित मनोज कुमार दिल्ली के हिंदू कॉलेज के पूर्व छात्र थे और 1947 से ही इस संस्थान से जुड़े हुए थे, जब उनका परिवार पाकिस्तान के लाहौर से दिल्ली आ गया था।

उनका जन्म अविभाजित भारत के एबटाबाद शहर (अब पाकिस्तान) में हुआ था। वर्ष 1947 में विभाजन के बाद उनका परिवार पाकिस्तान में अपना सबकुछ छोड़कर दिल्ली आ गया। वे हडसन लाइन क्षेत्र में शरणार्थी बैरक के कमरा नंबर एक और दो में रुके थे, जिसे हडसन लेन-किंग्सवे कैंप के नाम से भी जाना जाता है।

कुमार ने उस पल को याद किया जब, उनकी मां तीस हजारी अस्पताल में भर्ती थीं। कुमार ने कॉलेज की 125वीं वर्षगांठ पर कॉलेज पत्रिका के लिए लिखे एक लेख में बताया, एक दिन मैं अकेले ही सुनसान सड़कों से होते हुए तीस हजारी अस्पताल में अपनी मां से मिलने जा रहा था। मैंने अचानक भयानक नारे सुने और घबराहट में मैंने हिंदू कॉलेज परिसर में शरण ली। वहां के चौकीदार ने मुझे शांत किया और कहा, 'चिंता मत करो, मैं इस हिंदू कॉलेज का हिंदू चौकीदार हूं'। कुमार ने लिखा, हिंदू, हिंदू की रक्षा करेगा-चौकीदार ने मुझसे कहा।

इससे मैंने राहत की सांस ली। ऐसा तीन या चार बार हुआ। कुमार ने उल्लेख किया कि कई साल बाद, वह उसी कॉलेज में वापस लौटे- एक डरे हुए बच्चे के रूप में नहीं, बल्कि एक छात्र के रूप में। सलवान पब्लिक स्कूल से स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने हिंदू कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। कुमार ने याद करते हुए कहा, घर की आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी और मैंने पढ़ाई के साथ-साथ सिलाई मशीन के पुर्जे बेचने जैसे छोटे-मोटे काम भी किए। मेरे प्रोफेसरों ने मेरी प्रतिबद्धता का सम्मान किया और मेरा सहयोग किया। कुमार ने बताया कि अपने चचेरे भाई और फिल्म निर्माता लेखराज भाकरी से प्रेरित होकर वह स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद मुंबई चले गए। उन्होंने कहा, हालांकि शुरुआती साल संघर्ष से भरे थे, लेकिन आखिरकार मुझे फिल्म उद्योग में अपनी जगह मिल गई।

कुमार ने 'शहीद', 'उपकार' और 'पूरब और पश्चिम' जैसी कई देशभक्ति फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के जरिए लाखों लोगों का दिल जीता। कुमार ने वह क्षण भी याद किया जब वर्षों बाद हिंदू कॉलेज ने उन्हें 'मिलेनियम पुरस्कार' से सम्मानित करने के लिए पुनः आमंत्रित किया था। उन्होंने लिखा, मैं मंच पर खड़ा होकर उसी परिसर को याद कर रहा था जिसने मुझे बचपन में सुरक्षा दी थी। कुमार ने अपने लेख में लिखा, हां, हिंदू ने मुझे बचाया। हिंदू अमर रहे और हिंदू कॉलेज अमर रहे। हिंदू कॉलेज की प्रधानाचार्य अंजू श्रीवास्तव ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि कुमार को 1999 में कॉलेज की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। श्रीवास्तव ने कहा, 2019 में जब वह एंबुलेंस से कॉलेज आए थे, तब उनकी तबीयत बहुत खराब थी और वह चलने में असमर्थ थे। फिर भी, उन्होंने कॉलेज के फर्श को छुआ। उन्होंने कहा, कुमार को कॉलेज से बहुत लगाव था और वह इसे मंदिर की तरह पूजते थे।

वर्ष 2019 में कॉलेज की अपनी आखिरी यात्रा के दौरान, कुमार ने आगंतुकों की डायरी में एक नोट लिखा जिसमें संस्थान के साथ अपने गहरे भावनात्मक बंधन को व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, यह मेरे कॉलेज की यात्रा नहीं है। यह एक मंदिर है, और मैं यहां माथा टेकने आया हूं।

वक्फ विधेयक 'काले कानूनों' या 'जंगल कानूनों' से भी ज्यादा खतरनाकः उलेमा बोर्ड

मुंबई/भाषा। ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड ने वक्फ विधेयक को पूर्ववर्ती काले कानूनों या जंगल कानूनों से भी अधिक खतरनाक बताया है और दावा किया है कि यह मस्जिदों और मदरसों जैसी इस्लामी संपत्तियों को खतरे में डालता है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्लामा बानी नईम हसनी ने शनिवार को मुंबई प्रेस क्लब में संवाददाताओं को बताया कि नये विधेयक में बड़ी मुश्किल यह है कि यदि कोई सरकारी कर्मचारी वक्फ संपत्ति पर दावा करता है तो कोई अन्य सरकारी कर्मचारी इस मामले पर फैसला करेगा। यह दावा करते हुए कि सरकारी कर्मचारी द्वारा लिए गए निर्णय को उच्च न्यायालयों या उच्चतम न्यायालय में चुनौती भी नहीं दी जा सकती, हसनी ने कहा कि यह विधेयक मस्जिदों, मदरसों और आश्रय गृहों जैसी वक्फ संपत्तियों के अस्तित्व को खतरे में डालता है। उन्होंने दावा किया कि इस तरह से सभी इस्लामी संपत्तियां नष्ट हो जाएंगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि यहां तक कि सिख, ईसाई और अन्य समुदायों की संपत्तियों का भी भविष्य में ऐसा ही हश्र होगा। उन्होंने कहा, ''यह हिंदू-मुस्लिम मुद्दा नहीं है, बल्कि न्याय का मामला है।''

हसनी ने यह भी दावा किया कि सभी ''काले कानून'' अंधेरे की आड़ में पारित किए जाते हैं। हसनी ने कहा, ''आप वक्फ (संशोधन) विधेयक को काला कानून, जंगल कानून या इनसे भी ज्यादा खतरनाक कह सकते हैं।''

भाजपा ने कार्यकर्ता की मौत को लेकर प्रदर्शन किया

सिद्दरामय्या ने राजनीति करने का लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/कोडागु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पार्टी के एक कार्यकर्ता की कथित आत्महत्या के संबंध में दर्ज प्राथमिकी में कांग्रेस के दो विधायकों का नाम शामिल करने की मांग को लेकर शनिवार को कोडागु जिले के कुशालनगर में प्रदर्शन किया। वहीं मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने भाजपा पर कार्यकर्ता की मौत को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया।

भाजपा ने कुछ अन्य स्थानों पर भी प्रदर्शन किया। पार्टी ने मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की भी मांग की। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडियुरप्पा, सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वडियार, पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा, विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष केजी बोपैया समेत भाजपा के कई नेताओं को पुलिस ने कुशालनगर में पुलिस उपाधीक्षक (डीवाईएसपी) कार्यालय की घेराबंदी करने की कथित तौर पर कोशिश करने के लिए हिरासत में ले लिया और उन्हें बस में ले जाया गया।

नेताओं को हिरासत में लिए जाने के दौरान वहां अफरा-तफरी का माहौल रहा। बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एकत्र हुए और पुलिस और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कोडागु में भाजपा पदाधिकारी विनय सोमैया (40) ने शुक्रवार को कांग्रेस नेताओं पर उत्पीड़न का आरोप लगाने के बाद कथित रूप से आत्महत्या कर ली थी। सोमैया ने एक व्हाट्सएप समूह पर कथित 'सुसाइड नोट' पोस्ट किया था। मृतक के बड़े भाई जीवन केएस द्वारा कथित 'सुसाइड नोट' के आधार पर दर्ज कराई गई शिकायत के तहत कांग्रेस कार्यकर्ता थेनीरा महेना और अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 (आत्महत्या के लिए उकसाना), 3(5) (सामान्य इरादा), 351(2) (आपराधिक धमकी) और 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) का मामला दर्ज किया गया। हालांकि, प्राथमिकी में विराजपेट से विधायक एएस पोन्नपा और मडिकेरी से विधायक मंतर गौड़ा और हरीश पूवैया नाम के व्यक्ति का उल्लेख नहीं है जबकि पुलिस को सौंपी गई हस्तलिखित शिकायत में तीनों के नाम का उल्लेख किया गया था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि इस बीच सोमैया का शव अंतिम संस्कार के लिए सोमवारपेट के गोनीमारूरु गांव ले जाया जाएगा।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने भाजपा पर कार्यकर्ता की मौत को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि मामले में प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है और जांच जारी है, इसलिए उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। भाजपा द्वारा प्राथमिकी में पोन्नपा और मंतर गौड़ा का नाम शामिल करने की मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा, हम भाजपा की मांगों का जवाब नहीं दे सकते। भाजपा के लोग हताश हैं और वे ऐसी बातें कह रहे हैं। वे मौत पर राजनीति कर रहे हैं। भाजपा अक्सर ऐसा करती है। उन्होंने कहा, मैं केवल इतना कह सकता हूं कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और जांच जारी है। इस समय मैं मामले में हस्तक्षेप नहीं करना चाहता। मैं कोई बयान नहीं देना चाहता। इससे पहले प्रदेश सरकार में गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने प्राथमिकी में दो कांग्रेस विधायकों का नाम शामिल करने की मांग पर कहा था कि कानून सभी के लिए समान है और पुलिस कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करेगी।

निरीक्षण

बेंगलूरु में शनिवार को केन्द्रीय रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने पादरायणपुरा और होसाहल्ली के बीच रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) संख्या 431 के चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। मौजूदा पुराने रोड ओवर ब्रिज, जिसने अपना कोडल लाइफ पूरा कर लिया है, को बदलने के लिए 12 करोड़ रुपये की लागत से एक नया आरओबी बनाया जा रहा है। बाद में, सोमन्ना ने कृष्णदेवराय हॉल्ट स्टेशन और नायंडहल्ली स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने जनता से बातचीत भी की इस अवसर पर बेंगलूरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या, बेंगलूरु मंडल रेल प्रबंधक अमितेश कुमार सिन्हा, मुख्य इंजीनियर (निर्माण) प्रेम नारायण, अपर मंडल रेल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक कृष्ण रेड्डी, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कृष्ण चैतन्य और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मिनी बस के खड़े ट्रक से टकराने से पांच लोगों की मौत, 11 अन्य घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। कर्नाटक में कलबुर्गी जिले के जेवर्गी तालुक में नेलोगी क्रॉस के पास शनिवार तड़के एक मिनी बस के खड़े ट्रक से कथित तौर पर टकरा जाने से 13 वर्षीय एक किशोरी समेत पांच लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सभी यात्री बगलकोट के रहने वाले थे और वे कलबुर्गी जिले में एक दरगाह जा रहे थे, इसी दौरान तड़के करीब साढ़े तीन बजे यह दुर्घटना हो गई।

कलबुर्गी के पुलिस अधीक्षक ए श्रीनिवासुलु ने बताया कि दुर्घटना इतनी भयानक थी कि पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य यात्री घायल हो गए। प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि कथित तौर पर तेज गति से चल रही मिनी बस का चालक नींद में था और उसने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया जिसके कारण बस खड़े ट्रक से टकरा गई। उन्होंने बताया कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया है, जहां उनका उपचार किया जा रहा है।

पुलिस ने बताया कि शुरुआत में उसे लगा कि मिनी बस का चालक दुर्घटना के बाद मौके से भाग गया होगा, लेकिन बाद में उसे खून से लथपथ सड़क पर पड़ा पाया गया। उसका अस्पताल में इलाज हो रहा है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 के तहत लापरवाही के कारण मौत का मामला दर्ज किया गया है और मामले की जांच जारी है।

भाजपा कार्यकर्ता की आत्महत्या के मामले में पुलिस कानून के अनुसार कार्रवाई करेगी : जी. परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यकर्ता की कथित आत्महत्या के संबंध में दर्ज प्राथमिकी में दो कांग्रेस विधायकों का नाम शामिल करने की मांग के बीच शनिवार को कहा कि कानून सबके लिए समान है और पुलिस कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करेगी। कोडागु में भाजपा पदाधिकारी विनय सोमैया (40) ने शुक्रवार को कांग्रेस नेताओं पर उत्पीड़न का आरोप लगाने के बाद कथित रूप से आत्महत्या कर ली थी। सोमैया ने एक व्हाट्सएप ग्रुप पर कथित सुसाइड नोट पोस्ट किया था। मृतक के बड़े भाई जीवन केएस द्वारा कथित सुसाइड नोट के आधार पर दर्ज कराई गई शिकायत के तहत कांग्रेस कार्यकर्ता थेनीरा महेना और अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 (आत्महत्या के लिए उकसाना), 3(5) (सामान्य इरादा), 351(2) (आपराधिक धमकी) और 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) का मामला दर्ज किया गया। हालांकि, प्राथमिकी में विराजपेट से विधायक एएस पोन्नप्पा और मडिकेरी से विधायक मंतर गौड़ा और हरीश पूवैया नाम के व्यक्ति का उल्लेख नहीं है जबकि पुलिस को सौंपी गई हस्तलिखित शिकायत में तीनों के नाम का उल्लेख किया गया था।

परमेश्वर ने प्राथमिकी में विधायकों के नाम नहीं होने के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, कानून सबके लिए समान है, फिर चाहे वह पोन्नपा हो या मंतर। पुलिस कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करेगी। मामला फरवरी का है और उसने (विनय सोमैया) अब आत्महत्या कर ली है।

रामनवमी पर मांस की बिक्री और पशु वध पर रोक

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक सरकार ने रामनवमी के अवसर पर राजधानी बेंगलूरु में मांसाहार और पशु वध पर सख्त प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। बृहत बेंगलूरु महानगरपालिका के पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक ने इस संबंध में जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस वर्ष रामनवमी का पर्व रविवार, 6 अप्रैल को मनाया जाएगा। इस अवसर पर शहर के सभी बधगृहों में पशु वध और मांस बिक्री पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने कहा, श्री राम नवमी के पवित्र अवसर पर हम यह सुनिश्चित करेंगे कि बेंगलूरु के सभी बधगृहों में पशु वध न हो और शहर के किसी भी मांस विक्रेता द्वारा मांस बिक्री न की जाए। यह आदेश शहर के सभी बीबीएमपी क्षेत्राधिकार में लागू रहेगा। इसके अलावा, सभी मांस विक्रेताओं और बधगृहों से अनुरोध किया गया है कि वे इस आदेश का पालन करें और इसके उल्लंघन से बचें, क्योंकि इसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान के साथ, शनिवार को उत्तर कन्नड़ के कारवार में आईएनएस सागर मिशन के हिस्से के रूप में आईएनएस सुनयना के ध्वज-प्रक्षेपण समारोह के दौरान।

हिंद महासागर क्षेत्र में सामूहिक सुरक्षा और समृद्धि की दिशा में 'आईओएस सागर' एक महत्वपूर्ण पहल : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

करवार। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कर्नाटक के करवार में नौसेना कमांडरों के सम्मेलन में शामिल होने के लिए शनिवार को यहां पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सुनयना को हिंद महासागर क्षेत्र में उसकी यात्रा के लिए रवाना किया। यह पहल भारत की 'सागर' पहल (सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फोर ऑल इन द रीजन) के दस वर्षों की उपलब्धि के उपलक्ष्य में की गई है। नौसेना कमांडर सम्मेलन दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है। पहला चरण 5 अप्रैल को है। दूसरा चरण 7 अप्रैल को नई दिल्ली में है। भारतीय महासागर जहाज सागर पर 9 देशों के 44 नौसैनिक सवार होंगे। यह मिशन हिंद महासागर क्षेत्र के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे भारत अपने समुद्री पड़ोसियों के साथ मजबूत रिश्ते बनाएगा और हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षित और समावेशी माहौल बनाने में मदद करेगा।

रक्षा मंत्री ने भारतीय नौसेना के अधिकारियों, कर्मियों और मित्र देशों से आए प्रतिनिधियों का हार्दिक स्वागत करते हुए इस ऐतिहासिक यात्रा की शुरुआत पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह मिशन उन सभी मित्र राष्ट्रों के सहयोग से संभव हुआ है, जो हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा और सहयोग को प्राथमिकता देते हैं। रक्षा मंत्री ने इस बात पर विशेष गर्व व्यक्त किया कि यह मिशन राष्ट्रीय समुद्री दिवस (5 अप्रैल) के दिन आरंभ हो रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि आज ही के दिन, वर्ष 1919 में, सिंधिया स्टीम नेविगेशन कंपनी लिमिटेड का भारत का पहला व्यापारी जहाज एस. एस. लॉयल्टी मुंबई से लंदन की ओर रवाना हुआ था। हम 1964 से इस दिन को राष्ट्रीय समुद्री दिवस के रूप में मनाते हैं।

उन्होंने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) न केवल भारत की सुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह व्यापार, अर्थव्यवस्था, पर्यटन और संस्कृति जैसे अनेक आयामों से भारत और अन्य तटीय देशों के राष्ट्रीय हितों से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। रक्षा मंत्री ने इस क्षेत्र में सभी भागीदार देशों के साथ सहयोग को भारत की प्राथमिकता बताया और कहा कि भारत इस क्षेत्र को शांति और समृद्धि का क्षेत्र बनाना चाहता है।

राजनाथ सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत की समुद्री उपस्थिति केवल अपनी सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य यह भी सुनिश्चित करना है कि कोई भी राष्ट्र अपनी आर्थिक या सैन्य ताकत के बल पर अन्य देशों को प्रभावित न कर सके। भारत समान अधिकारों के सिद्धांत पर आधारित व्यवस्था का समर्थन करता है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि आपदा की स्थिति में भारतीय नौसेना ने सदैव 'प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता' के रूप में भूमिका निभाई है। हिंद महासागर में, चाहे वह समुद्री डाकुओं से रक्षा हो या जहाजों की सुरक्षा, नौसेना ने केवल भारतीय जहाजों ही नहीं, बल्कि मित्र देशों के जहाजों की भी सुरक्षा की है। उन्होंने कहा कि यह भारत की प्रतिबद्धता है कि हिंद महासागर क्षेत्र में मुक्त नौवहन, नियम आधारित व्यवस्था, एंटी पायरेसी, शांति और स्थायित्व सुनिश्चित किया जाए। हम हिंद महासागर क्षेत्र को भाईचारे और साझा हित के प्रतीक के रूप में विकसित करना चाहते हैं।

इस दौरान रक्षा मंत्री ने 'महासागर' नामक एक उन्नत पहल का भी उल्लेख किया, जिसे हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मॉरीशस की यात्रा के दौरान प्रस्तुत किया था। यह पहल मौजूदा सागर पहल को और अधिक सहयोगात्मक और समावेशी बनाएगी।

अब जब भारत ने सागर को महासागर में तब्दील कर दिया है तो आईओएस सागर के लिए इससे उपयुक्त समय नहीं हो सकता है। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने संस्कृत के एक श्लोक का उल्लेख करते हुए सबके बीच सामंजस्य और सहयोग की भावना की कामना की। रक्षा मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि आईओएस सागर अपनी इस यात्रा के माध्यम से मैत्री, पारस्परिक विश्वास और सहयोग के आधार पर समुद्री उत्कृष्टता और सामूहिक सुरक्षा को सुदृढ़ करेगा।

बीईएमएल ने स्वदेशी रूप से विकसित मोटर ग्रेडर बीजी 1205 को पेश किया

बेंगलूरु। भारी इंजीनियरिंग उपकरण बनाने वाली कंपनी बीईएमएल लिमिटेड ने शनिवार को अपने मैसूरु परिसर में स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित मोटर ग्रेडर बीजी 1205 को पेश करने की घोषणा की। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ने इसे आत्मनिर्भरता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता और भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत संकल्प के अनुरूप एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया।

बीईएमएल लिमिटेड ने एक बयान में कहा कि 24 फुट के प्रभावशाली ब्लेड से लैस बीजी 1205 को खासकर खनन क्षेत्र की उभरती मांगों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। यह उपकरण उच्च क्षमता वाले डंपरों को संभालने में सक्षम कुशल सड़क-बिछाने वाली मशीनरी की बढ़ती जरूरतें पूरी करने के लिए विकसित किया गया है। कंपनी का दावा है कि बेहतर प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करने के साथ बीजी 1205 उत्पादकता बढ़ाने, परिचालन दक्षता सुनिश्चित करने और खनन कार्यों की स्थिरता में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

पीओईएम-4 ने पृथ्वी के वायुमंडल में पुनः प्रवेश किया : इसरो

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को कहा कि पीएसएलवी ऑर्बिटल एक्सपेरिमेंट मॉड्यूल (पीओईएम-4) का चौथा संस्करण पृथ्वी के वायुमंडल में फिर से प्रवेश कर गया है। 'पीओईएम-4 अंतरिक्ष डॉकिंग' प्रयोग मिशन के लिए उपयोग किए जाने वाले ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान का पुनरुद्देशित प्रयुक्त ऊपरी चरण है।

इसरो ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अंततः पीओईएम-4 मॉड्यूल ने वायुमंडल में पुनः प्रवेश किया और चार अप्रैल, 2025 को भारतीय समयानुसार पूर्वाह्न आठ बजकर तीन मिनट पर हिंद महासागर में टकराया।

कुमारस्वामी ने कर्नाटक सरकार के खिलाफ 'जंग' का ऐलान किया, शिवकुमार पर लगाया 'लूट' का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री और जनता दल एस के नेता एच डी कुमारस्वामी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार पर सत्ता का दुरुपयोग कर उन्हें परेशान करने का आरोप लगाते हुए शनिवार को इस सरकार के खिलाफ युद्ध की घोषणा की। कुमारस्वामी ने कांग्रेस सरकार को उन्हें उकसाने के खिलाफ चेतावनी भी दी। जद(एस) नेता ने दावा किया कि उनके पास कांग्रेस और उसके नेताओं को निशाना बनाने के लिए पर्याप्त सामग्री है।

कुमारस्वामी ने बिदादी के निकट केथागनहल्ली में उनके परिवार द्वारा कथित तौर पर अतिक्रमित जमीन को राज्य सरकार की ओर से मुक्त कराने के कदम का संदर्भ देते हुए शिवकुमार पर 'लूट' का आरोप लगाया और कार्रवाई को 'राजनीतिक प्रतिशोध' करार दिया। शिवकुमार ने कुमारस्वामी पर पलटवार करते हुए उन्हें सभी सामग्री सार्वजनिक करने की चुनौती दी और कहा कि अगर वे गलत साबित हुए तो वे कोई भी सजा भुगतने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, मैं कुमारस्वामी या किसी और से डरने वाला व्यक्ति नहीं हूं।

कुमारस्वामी ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मैं आपके (मीडिया) माध्यम से इस सरकार को चुनौती देना चाहता हूं। 40 साल पहले मैंने 46 एकड़ जमीन खरीदी थी और ईमानदारी से कहूं तो मैं इससे एक किसान की तरह कमाई कर रहा था। 40 साल में ऐसी बदले की राजनीति कभी नहीं देखी...।''

जद(एस) नेता ने सिद्दरामय्या और शिवकुमार पर सत्ता का दुरुपयोग करके उन्हें 'परेशान' करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह इस सरकार के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इससे पहले उन्होंने (कांग्रेस नेताओं ने) कहा था कि वे देवेगौड़ा (पूर्व प्रधानमंत्री और उनके पिता) परिवार को खत्म कर देंगे, उसके बाद कई घटनाक्रम हुए, अब इस पर चर्चा करने की कोई जरूरत नहीं है। देवेगौड़ा के समय से ही इस तरह की यातनाओं का सामना करना हमारे परिवार के लिए कोई नई बात नहीं है। हाल ही में भारी सुरक्षा के बीच अतिक्रमण हटाने के लिए 4-5 जेसीबी और 25-30 अधिकारियों द्वारा उनके फार्म हाउस में प्रवेश करने की मीडिया कवरेज की ओर इशारा करते हुए कुमारस्वामी ने कहा, ''मैं लोगों से पूछना चाहता हूं कि क्या मुझे पूर्व प्रधानमंत्री का बेटा होने के नाते, पूर्व मुख्यमंत्री होने के नाते चार एकड़ जमीन पर अतिक्रमण करने की जरूरत है?''

कुमारस्वामी पर वर्ष 2006 से 2008 तक मुख्यमंत्री रहने के दौरान कानून का उल्लंघन करते हुए बेलारी जिले में श्री साई वेंकटेश्वर मिनरल्स (एसएसवीएम) को 550 एकड़ का खनन पट्टा अवैध रूप से स्वीकृत करने के आरोप लगे हैं। इसका जिक्र करते हुए जद (एस) नेताने कहा कि उन्होंने अपने खिलाफ मामलों को खत्म करने के लिए कभी भी किसी संवैधानिक पद का दुरुपयोग नहीं किया। उन्होंने कहा, ''जब मैं दूसरी बार (2018 से 2019) मुख्यमंत्री बना, तो मैं अधिकारियों को निर्देश देकर अपने खिलाफ मामले बंद करा सकता था।''

केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि मुहम्मद गौरी, मुहम्मद गजनी और मलिक काफूर (दिल्ली सल्तनत के शासक अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति) जैसे लोग विधान सौध की तीसरी मंजिल पर बैठे हैं और राज्य को लूट रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एक अप्रैल को 'मूर्ख दिवस' के रूप में मनाया जाता है, लेकिन इस सरकार ने उस दिन से विभिन्न आवश्यक वस्तुओं या सेवाओं जैसे दूध, बिजली, डीजल पर मूल्य वृद्धि करके राज्य के लोगों को मूर्ख बनाना शुरू कर दिया है।

सम्मान

बेंगलूरु में शनिवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कर्नाटक के एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले तीन विद्यार्थियों को अपने कावेरी आवास पर सम्मानित किया तथा पुरस्कारों की घोषणा की। विद्यार्थी चित्रदुर्ग के संजीव मुथैया, रायचूर से वीरेश और बेलगावी के लोहित निलप्पा को सम्मानित करते हुए उन्हें 2 लाख रुपए नकद पुरस्कार दिया। राज्य में कुल 12 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय हैं, जिनमें शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में कुल 4534 छात्र अध्ययनरत हैं। इस मौके पर मंत्री सतीश जारकीहोली, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव गोविंदराजु, कार्यक्रम में अनुसूचित जनजाति विभाग के सचिव रणदीप और अनुसूचित जनजाति विभाग के सचिव एल.के. अतीक सहित अनेक अधिकारी उपस्थित थे।

राज्य में बड़े पैमाने पर राजनीतिक प्रतिशोध चल रहा है : बोम्मई

विनय आत्महत्या मामले की सीबीआई जांच की मांग की

हावेरी/दक्षिण भारत। पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने भाजपा कार्यकर्ता विनय आत्महत्या मामले की सीबीआई जांच की मांग की और कहा कि उन्हें राज्य पुलिस की निष्पक्ष जांच पर कोई भरोसा नहीं है। शनिवार को हावेरी जिले के थ्यागनी में बोलते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कई मामलों के लिए एसआईटी (विशेष जांच दल) का गठन किया है, लेकिन इनमें से कोई भी जांच निष्पक्ष या पूरी नहीं हुई है। इसलिए भाजपा कार्यकर्ता विनय की आत्महत्या का मामला सीबीआई को सौंप दिया जाना चाहिए।

बोम्मई ने राज्य में कानून व्यवस्था की भी आलोचना की और कहा कि यह बहुत पहले ही ध्वस्त हो चुकी है। लड़कियां अब बेखौफ होकर नहीं घूम सकतीं। मौजूदा कानून व्यवस्था इस हद तक खराब हो गई है कि मंत्री भी हनीट्रैप में फंस रहे हैं। अगर मंत्री खुद फंस रहे हैं, तो इसका क्या मतलब है? उन्होंने सवाल किया। सांसद ने आरोप लगाया कि राज्य में बड़े पैमाने पर राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई हो रही है। जब भी वे विरोध करते हैं, तो भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे हैं।

जिला कलेक्टर से धक्का मुक्की के मामले में कई लोग हिरासत में : पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के धौलपुर के जिला कलेक्टर से धक्का मुक्की के मामले में पुलिस ने कांग्रेस विधायक रोहित बोहरा के चाचा समेत कई लोगों को हिरासत में ले लिया। इस मामले में दर्जन भर लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान कुछ लोगों ने जिला कलेक्टर के साथ कथित तौर पर धक्का मुक्की की। पुलिस ने शनिवार को बताया कि कांग्रेस विधायक रोहित बोहरा के चाचा प्रदीप बोहरा समेत करीब छह लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि एक दर्जन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर पूछताछ की जा रही है।

धौलपुर के जिला कलेक्टर निधि बीटी ने संवाददाताओं से कहा, हम जलभराव की समस्या का कारण बने अतिक्रमण को हटाने गए थे, तभी कुछ लोगों ने दुर्व्यवहार किया। निहालगंज थाने में मामला दर्ज किया गया है और कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। घटना का एक वीडियो शनिवार को सामने आया। यह घटना शुक्रवार रात की है। वीडियो में अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान विधायक के कथित समर्थकों और अधिकारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसके बाद उनमें से कुछ ने जिला कलेक्टर के साथ धक्का मुक्की की।

मामला बिगड़ता देख जिला कलेक्टर के अंगरक्षक ने उन्हें भीड़ से बाहर निकाला। वीडियो में ऐसा दिख रहा है कि अंगरक्षक ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए रिवाल्वर से हवाई फायर करने की भी तैयारी कर रखी थी। धौलपुर शहर में जलभराव की समस्या को लेकर नगर परिषद, जिला प्रशासन और पुलिस की ओर से संयुक्त अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार शाम को जब टीम अतिक्रमण हटाते हुए विधायक के घर के पास पहुंची तो उनके चाचा प्रदीप बोहरा के समर्थकों ने हंगामा कर दिया। टीम के साथ जिला कलेक्टर भी मौजूद थे। इस दौरान कुछ लोग बुलडोजर के सामने खड़े हो गए। पुलिस ने बताया कि जब जिला कलेक्टर ने इन लोगों को समझाने का प्रयास किया तो उनमें से एक जिला कलेक्टर से धक्का मुक्की की। धौलपुर के पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फिर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस ने बताया कि घटना को लेकर निहालगंज थाने में मामला दर्ज किया गया है। प्रदीप बोहरा और उनके कई समर्थकों से शनिवार सुबह पुलिस ने थाने में पूछताछ भी की।

शुभकामनाएं

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा की राजस्थान प्रदेश सभा के महिला प्रकोष्ठ की प्रादेशिक कार्यकारिणी शपथ ग्रहण समारोह में सम्मिलित होकर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं प्रेषित की।

राजनीति में अपना लक्ष्य बदलना नहीं चाहिए : सचिन पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने शुक्रवार को कहा कि जनता बहुत जागरूक है और वह देखती है कि कौन किस तरह की राजनीति कर रहा है, इसलिए राजनीतिक नेताओं को अपना लक्ष्य नहीं बदलना चाहिए।

पूर्व उपमुख्यमंत्री पायलट ने ग्राम गढ़मोरा (करौली) में पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट एवं क्रांतिकारी धनसिंह कोतवाल की मूर्ति का अनावरण किया। इस अवसर पर किसान सम्मेलन में उन्होंने कहा, हम सब लोग जो राजनीति में हैं... कभी सत्ता होती है तो कभी विपक्ष में होते हैं... चुनाव हारते हैं, जीतते हैं लेकिन मुझे लगता है कि राजनीति में अपना लक्ष्य बदलना नहीं चाहिए।

पायलट ने कहा,जब (हम) सत्ता में होते हैं तो संसाधन ज्यादा होते हैं और हम विकास के बहुत से काम आसानी से करवा सकते हैं। विपक्ष में होते हैं तो सरकार को आइना दिखाना होता है।

लेकिन किस प्रकार की राजनीति कर रहे हैं ये बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा, देश प्रदेश की जनता अब बहुत जागरूक है। हम लक्ष्य की पूर्ति करने की राजनीति कर रहे हैं या अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने की राजनीति कर रहे हैं, जोड़ने या तोड़ने की राजनीति कर रहे हैं, लोगों को मौका देने की राजनीति कर रहे हैं, या लोगों का गला दबाकर उनको खत्म करने की राजनीति कर रहे हैं... जनता सब देखती रहती है। इस अवसर पर सांसद मुरारी लाल मीणा व भजनलाल जाटव, विधायक घनश्याम मेहर, अनिता जाटव, दीनदयाल बैरवा तथा अभिमन्यु पूनिया भी मौजूद थे।

भजनलाल ने मोदी को श्रीलंका मित्र विभूषण सम्मान से सम्मानित होने पर दी बधाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को श्रीलंका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'श्रीलंका मित्र विभूषण' से सम्मानित किए जाने पर उन्हें हार्दिक बधाई दी है। शर्मा ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रधानमंत्री को बधाई दी और कहा कि मोदी को श्रीलंका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया जाना समस्त भारतवासियों के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री को हार्दिक बधाई के साथ समस्त देशवासियों को शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रतिष्ठित सम्मान न केवल प्रधानमंत्री के असाधारण व्यक्तित्व और कुशल नेतृत्व की पहचान है बल्कि वैश्विक मंच पर नए भारत की बढ़ती साख और प्रभाव का प्रतीक भी है। इस अवसर पर राज्य की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भी प्रधानमंत्री को बधाई दी। उपमुख्यमंत्री ने श्रीलंका के राष्ट्रपति द्वारा श्रीलंका मित्र विभूषण जैसे प्रतिष्ठित सम्मान से सम्मानित किए जाने पर मोदी का हार्दिक अभिनंदन करते हुए कहा कि यह सम्मान न केवल प्रधानमंत्री की अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति की सफलता को दर्शाता है बल्कि भारत के प्रति श्रीलंका के स्नेह और सहयोग का भी प्रतीक है।

विद्युत क्षेत्र के निजीकरण की राज्य सरकार की कोई मंशा नहीं : नागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने प्रदेश के विद्युत कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों से शुक्रवार को विद्युत भवन में संवाद किया। इस दौरान नागर ने कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों की अपेक्षाओं एवं आशंकाओं को सुना और स्पष्ट किया कि विद्युत क्षेत्र के निजीकरण की राज्य सरकार की कोई मंशा नहीं है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार की प्राथमिकता है कि उपभोक्ताओं को बिना किसी ट्रिपिंग के किफायती बिजली मिले और ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान आत्मनिर्भर बने। उन्होंने कहा कि प्रदेश के बिजली तंत्र को मजबूत करने के सरकार के प्रयासों में विद्युत निगमों के कार्मिक महत्वपूर्ण भागीदार हैं।बिजली उत्पादन के क्षेत्र में जो संयुक्त उद्यम एमओयू किए गए हैं, वे एनटीपीसी, पावर ग्रिड, कोल इंडिया सहित अन्य प्रतिष्ठित केन्द्रीय उपक्रमों के साथ किए गए हैं। इनसे प्रदेश की बढ़ती ऊर्जा की मांग को बेहतर वित्तीय प्रबंधन के साथ पूरा किया जा सकेगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि ऊर्जा क्षेत्र के तीनों आयामों उत्पादन, वितरण एवं प्रसारण में कर्मचारियों के हितों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ने दिया जाएगा।

दीया कुमारी ने किए कुलदेवी जमुवाय माता मंदिर में दर्शन

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने नवरात्रि के पावन अवसर पर शनिवार को कुलदेवी जमुवाय माता, शिला माता एवं मनसा माता मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन के लिए प्रार्थना की।

दीयाकुमारी ने जमुवाय माता मंदिर के विकास और सड़क कार्य का भी जायजा लिया। उन्होंने शिला माता मंदिर में दर्शन किए। इस अवसर पर पुजारी ने चुनरी एवं प्रतिमा भेंट कर उनका अभिनंदन किया। दर्शन करने के बाद दिया कुमारी ने आमेर महल में पुरातत्व विभाग के अधिकारियों को व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

सरिस्का के टहला रेंज में लगी आग पांच दिन से नहीं हुई काबू

अलवर/दक्षिण भारत। राजस्थान में अलवर जिले के सरिस्का के टहला रेंज क्षेत्र में गत 31 मार्च को लगी आग अभी तक पूरी तरह काबू में नहीं आई है। इसके अलावा अकबरपुर और सिलीसेड के पहाड़ के पास में भी लगी है। टहला रेंज में लगी आग को बुझाने के लिए पांच दिनों से वन विभाग की टीम में जुटी हुई है। सबसे बड़ी बात यह है कि अभी मार्च के महीने में सरिस्का प्रशासन द्वारा अपने कर्मचारियों को आग बुझाने का प्रशिक्षण दिया था उसके बावजूद भी आग नहीं बुझ पा रही है क्योंकि तेज हवाएं आग को फैलने में सहायक बनी हुई है। कर्मचारी आग को बुझाने का प्रयास करता है लेकिन हवा के कारण आग आगे बढ़ती जाती है। सरिस्का टाइगर रिजर्व के जहाजपुर का जंगल थाई एनिकट का जंगल, औंधा नाला का जंगल को आग में घेर रखा है। शुक्रवार देर शाम तक आग को काबू में रखने का प्रयास किया गया लेकिन घने जंगल के बीच मानव श्रम द्वारा ही आग पर काबू पाया जा सकता है वहां कोई टिकाऊ संसाधन पहुंच नहीं पा रहे,ना दमकल पहुंच पा रही है जिस पर आग को पूरी तरह बुझाने में सफलता नहीं मिल रही है।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव शनिवार को कोटपुतली-बहरोड़ जिले के नीमराणा में रैफल्स विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह में शामिल हुए।

बदलते वैश्विक परिदृश्य में वस्त्र निर्यातकों के लिए गेम चेंजर साबित होगी टेक्सटाइल एंड अपैरल नीति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा नई नीतियां लाकर प्रदेश एवं प्रदेश के लोगों के विकास के लिए लगातार प्रयासरत हैं और इसी के तहत राज्य सरकार ने राजस्थान टेक्सटाइल एण्ड अपैरल पॉलिसी-2025 लागू की है जो प्रदेश को आधुनिक टेक्सटाइल एवं अपैरल विनिर्माण के नये केन्द्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण पहल के साथ अमरीका द्वारा रेसिप्रोकल टैरिफ लागू किए जाने के बाद बदलते वैश्विक परिदृश्य में राजस्थान के वस्त्र निर्यातकों के लिए गेम चेंजर साबित होगी।

यह नीति प्रदेश में टेक्सटाइल एण्ड अपैरल क्षेत्र के सतत एवं समग्र विकास के साथ इस क्षेत्र में रोजगार सृजन, कौशल विकास, नवाचार, उत्पादकता और निर्यात को बढ़ावा देगी वहीं इससे वैश्विक स्तर पर स्थानीय वस्त्र उत्पादकों की दक्षता और विश्वसनीयता में वृद्धि के साथ ही प्रदेश में परिधान (अपैरल) उद्योग के एक नये दौर की शुरूआत होगी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार राजस्थान राज्य से होने वाले कुल निर्यात की शीर्ष पांच वस्तुओं में शामिल वस्त्र उद्योग प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ है और प्रदेश में 'फाइबर से फैशन तक' के विजन के साथ राज्य सरकार ने प्रदेश में 'राजस्थान टेक्सटाइल एण्ड अपैरल पॉलिसी-2025' लागू की है। इस नीति में निर्यातकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश में पहली बार गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को भी शामिल किया गया है।

साथ ही इस नीति में प्राकृतिक एवं कृत्रिम फाइबर के उत्पादन को बढ़ाने से लेकर तकनीकी टेक्सटाइल्स और वस्त्र विनिर्माण, हैण्डलूम, ऊन प्रसंस्करण, चमड़े के उत्पाद, फुटवियर जैसे संबंधित क्षेत्रों को भी समाहित किया गया है। इस नीति में टेक्सटाइल उद्यमियों के लिए कच्चे माल की उपलब्धता, कुशल कार्यबल, पर्यावरणीय चुनौतियां के समाधान एवं लॉजिस्टिक्स सहित आधारभूत सुविधाओं के विकास और निर्यात प्रोत्साहन के लिए पर्याप्त और आकर्षक वित्तीय इन्सेंटिव्स के प्रावधान किए गए हैं। नई नीति के तहत जहां वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र के उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए 10 वर्षों तक 80 करोड़ रूपये वार्षिक तक का एसेट क्रिएशन इंसेंटिव, भूमि/भवन क्रय या लीज पर स्टांप ड्यूटी एवं पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत छूट, बिजली उपभोग पर 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी छूट प्रदान की जाएगी वहीं पर्यावरणीय समस्याओं को ध्यान में रखते हुए इसमें ग्रीन सॉल्यूशन इंसेंटिव के तहत 12.5 करोड़ रूपये तक 50 प्रतिशत, अक्षय ऊर्जा संयंत्रों के लिए बैंकिंग, व्हीलिंग एवं ट्रांसमिशन शुल्क का 100 प्रतिशत, पेटेंट/कॉपीराइट लागत का 50 प्रतिशत एवं भूमि रूपांतरण शुल्क का 100 प्रतिशत पुनर्भरण के प्रावधान किए गए हैं। इसी तरह निर्यात इकाइयों को फ्रेट चार्ज पर 25 प्रतिशत तथा कार्मिक प्रशिक्षण लागत का 50 प्रतिशत पुनर्भरण का प्रावधान किया गया है।

हाल में अमरीका द्वारा रेसिप्रोकल टैरिफ लगाए जाने के बाद वैश्विक स्तर पर आर्थिक परिदृश्य लगातार बदलावों से गुजर रहा है। भारतीय कपड़ा आयात पर लगभग 27 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ अमरीका द्वारा लगाया गया है जो इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी देशों जैसे बंगलादेश (37 प्रतिशत), वियतनाम (46 प्रतिशत), कंबोडिया (49 प्रतिशत), पाकिस्तान (29 प्रतिशत) और चीन (34 प्रतिशत) की तुलना में कम है। राजस्थान देश का चौथा सबसे बड़ा कपास उत्पादक राज्य है और यहां भीलवाड़ा, जयपुर, पाली एवं बालोतरा जैसे टेक्सटाइल हब के वस्त्र निर्माताओं के लिए लंबी अवधि में यह स्थिति अमरीका को वस्त्र निर्यात बढ़ाने के लिए अनुकूल साबित हो सकती है।

राजस्थान में टेक्सटाइल और गारमेंट क्षेत्र से जुड़े कुशल कार्यबल की भी पर्याप्त उपलब्धता है। इस परिदृश्य में प्रदेश में लागू की गई टेक्सटाइल एवं अपैरल पॉलिसी-2025 उद्यमियों एवं निर्यातकों के लिए सोने पर सुहागा साबित होगी। इस नीति का उद्देश्य आधुनिक अवसंरचना एवं तकनीकी उन्नयन के माध्यम से टेक्सटाइल वैल्यू चेन को मजबूती देना है। नीति के तहत समावेशी विकास पर विशेष ध्यान देते हुए इस क्षेत्र में 10 हजार करोड़ रूपये के निवेश तथा दो लाख रोजगार के सृजन पर भी जोर दिया गया है।

इस नीति के माध्यम से पांच नए टेक्सटाइल पार्क विकसित करने के साथ ही, नई एवं विस्तारित हो रही परिधान निर्माण इकाइयों को सहायता दी जाएगी। यह नीति प्रदेश में टेक्सटाइल एण्ड अपैरल क्षेत्र के सतत एवं समग्र विकास के साथ इस क्षेत्र में रोजगार सृजन, कौशल विकास, नवाचार, उत्पादकता और निर्यात को बढ़ावा देगी वहीं इससे वैश्विक स्तर पर स्थानीय वस्त्र उत्पादकों की दक्षता और विश्वसनीयता में वृद्धि के साथ ही, प्रदेश में परिधान (अपैरल) उद्योग के एक नये दौर की शुरूआत होगी।

बांसवाड़ा जिले में तालाब में डूबे तीन बच्चेः पुलिस

जयपुर। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में मवेशियों को पानी पिलाने गए तीन बच्चे तालाब में डूब गए। इनमें दो बहनें व उनका रिश्ते का भाई शामिल है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। इसके अनुसार घटना इसके अनुसार यह हादसा सल्लोपाट थाना इलाके के खूंटा गलिया गांव में शुक्रवार को हुई। थानाधिकारी देवीलाल खटीक ने बताया कि पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद तीनों बच्चों के शव परिजनों को सौंप दिए हैं। उन्होंने बताया कि युवराज (4), जीनल (6) अपने माता-पिता के साथ मामा के घर शादी समारोह में आए थे। शुक्रवार सुबह माता-पिता बच्चों को मामा के घर छोड़कर अपने गांव खूंटी नारजी लौट गए। शुक्रवार दोपहर युवराज और जीनल अपने मामा की बेटी मीनाक्षी (9) के साथ मवेशियों को पानी पिलाने तालाब पर गए थे।

मुलाकात

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से शनिवार को दिल्ली में जम्मू-कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा की मुलाकात हुई। इस दौरान दोनों ने विभिन्न विषयो पर चर्चा की। राज्यपाल और जम्मू-कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर की यह शिष्टाचार भेंट थी।

सरकार ने मणिपुर में शांति के लिए मेइती-कुकी समूहों के साथ बैठक की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने मणिपुर के मेइती और कुकी समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ शनिवार को बैठक की, ताकि अशांत राज्य में स्थायी शांति स्थापित की जा सके।

सूत्रों ने बताया कि यह बैठक दोनों समुदायों के बीच मई 2023 से शुरू हुए संघर्ष का सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने के लिए केंद्र सरकार की पहल के तहत आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि बैठक का उद्देश्य मेइती और कुकी के बीच विश्वास और सहयोग बढ़ाना तथा मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए खाका तैयार करना था।

बैठक में ऑल मणिपुर यूनाइटेड क्लब्स ऑर्गनाइजेशन (एएमयूसीओ) और फेडरेशन ऑफ सिविल सोसाइटी ऑर्गनाइजेशन (एफओसीएस) के प्रतिनिधियों सहित छह सदस्यीय मेइती प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। कुकी प्रतिनिधिमंडल में लगभग नौ प्रतिनिधि शामिल थे।

केंद्र सरकार के वार्ताकारों में खुफिया ब्यूरो के सेवानिवृत्त विशेष निदेशक ए के मिश्रा भी शामिल थे।

बृहस्पतिवार को लोकसभा में मणिपुर पर बहस के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि गृह मंत्रालय ने पहले भी मेइती और कुकी समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि दोनों समुदायों के विभिन्न संगठनों के साथ अलग-अलग बैठकें भी की गईं। निचले सदन में हुई संक्षिप्त बहस का जवाब देते हुए शाह ने कहा, ''गृह मंत्रालय जल्द ही एक संयुक्त बैठक बुलाएगा।'' सदन ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू करने की पुष्टि करते हुए एक वैधानिक प्रस्ताव को मंजूर किया।

गृह मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार हिंसा को समाप्त करने का रास्ता तलाशने के लिए काम कर रही है, लेकिन सर्वोच्च प्राथमिकता शांति स्थापित करना है। शाह ने कहा कि मणिपुर में स्थिति काफी हद तक नियंत्रण में है क्योंकि पिछले चार महीनों में हिंसा में कोई मौत नहीं हुई है, लेकिन इसे संतोषजनक नहीं माना जा सकता क्योंकि विस्थापित लोग अभी भी राहत शिविरों में रह रहे हैं।

मणिपुर में नौ फरवरी को तत्कालीन मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफा देने के बाद 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लगाया गया था। राज्य विधानसभा, जिसका कार्यकाल 2027 तक है, को निलंबित कर दिया गया है।

मई 2023 में इंफाल घाटी स्थित मेइती और पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद से लगभग 260 लोगों की जान जा चुकी है। संघर्ष के शुरुआती चरण के दौरान मणिपुर के विभिन्न थानों से कई हजार हथियार लूट लिए गए।

तीन जनवरी को राज्यपाल का कार्यभार संभालने वाले अजय कुमार भल्ला तब से विभिन्न वर्गों के लोगों से मिल रहे हैं और उनसे राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने के बारे में जानकारी ले रहे हैं।

राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद राज्यपाल ने शांति बहाल करने और सामान्य स्थिति वापस लाने के लिए कई कदम उठाए थे, जिनमें सुरक्षा बलों से हथियार लूटने वालों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहना भी शामिल था।

केंद्र सरकार ने राज्य की सड़कों को सामान्य यातायात के लिए खोलने का भी प्रयास किया, हालांकि कुकी लोगों के विरोध के कारण यह प्रयास सफल नहीं हो सका।

मेइती या कुकी के निवास वाले क्षेत्रों से होकर यात्रा करना अन्य समुदाय के लिए पूरी तरह से प्रतिबंधित है। कुकी राज्य से बाहर जाने के लिए ज़्यादातर मिज़ोरम से होकर यात्रा करते हैं, लेकिन मेइती कुकी के प्रभुत्व वाले क्षेत्रों में नहीं जाते हैं।

अब जातिवादी, परिवारवादी व माफियावादी ताकतों के हाथों में नहीं खेलेगा उत्तर प्रदेश : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि आज का उत्तर प्रदेश जातिवादी, परिवारवादी व माफियावादी ताकतों के हाथों में नहीं खेलेगा बल्कि विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करते हुए देश की अर्थव्यवस्था का अग्रणी राज्य बनेगा।

आदित्यनाथ ने शनिवार दोपहर बाद गोरखपुर में 1640 करोड़ रुपए से अधिक की 107 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से 2017 से उत्तर प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था का 'ग्रोथ इंजन' बनकर उभरा है। उन्होंने कहा, आज का उत्तर प्रदेश जातिवादी, परिवारवादी व माफियावादी ताकतों के हाथों में नहीं खेलेगा बल्कि विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करते हुए देश की अर्थव्यवस्था का अग्रणी राज्य बनेगा। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर रामगढ़ताल रिंग रोड प्रथम चरण (पैडलेगंज से स्मार्टव्हील्स तक), रामगढ़ताल क्षेत्र में बहुआयामी 'कार्निवाल ऑफ ड्रीम्स पार्क', बहुमंजिली आवासीय योजना 'गोरक्ष एनक्लेव' का शुभारंभ तथा विश्व स्तरीय कन्वेंशन सेंटर का शिलान्यास किया। उन्होंने साथ ही जीडीए (गोरखपुर विकास प्राधिकरण) की अन्य कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया।

इस अवसर पर चंपा देवी पार्क मैदान में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री ने कहा, विकास की प्रक्रिया अनवरत चलाने की सोच रखने वाली वर्तमान 'डबल इंजन' सरकार और पिछली सरकारों में फर्क यह है कि पिछली सरकारें परिवार के लिए लड़ रही थीं और परिवार के लिए कार्य कर रही थीं। उन्होंने प्रदेश के संसाधनों में लूट मचाई हुई थी। पिछली सरकारों में बिजली नहीं मिलती थी व सड़कें गड्ढों में तब्दील थीं।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, विपक्षी दलों की पूर्ववर्ती सरकारों पर तंज कसते हुए योगी ने कहा कि पर्व और त्योहार आने के पहले सन्नाटा छा जाता था, लोगों के घरों में आशंका होती थी कि पता नहीं कब क्या हो जाए? उन्होंने कहा कि अब तो पर्व और त्योहार किसी के भी आएं, शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो रहे हैं तथा शांतिपूर्ण तरीके से लोग उत्साह और उमंग के साथ आयोजनों का हिस्सा बनते हैं।

योगी ने कहा, उत्तर प्रदेश की प्रगति से 25 करोड़ जनता को कोई परेशानी नहीं है, बल्कि परेशान तो दंगाइयों और दंगाइयों के आका को हैं क्योंकि बढ़ते व्यापार तथा व्यापारियों व बहन-बेटियों की सुरक्षा के साथ पूर्ण रूप से सुरक्षित उत्तर प्रदेश में उनका धंधा चौपट हो गया है। वह उत्तर प्रदेश के खिलाफ विष मन कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा सुरक्षा के माहौल में उत्तर प्रदेश देश और दुनिया में निवेश के बेहतरीन गंतव्य के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि आगे बढ़ रहा उत्तर प्रदेश जातिवादी, माफियावादी और परिवारवादी ताकतों के हाथों में नहीं खेलेगा।

योगी ने कहा कि 1947 से 2017 तक जिन लोगों ने परिवारवाद, जातिवाद और तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया, उनके शासनकाल में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था लगातार गिरती रही, लेकिन 2017 में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद, राज्य ने तीन वर्षों तक कोरोना वायरस जैसी वैश्विक महामारी का सामना करते हुए भी लगातार प्रगति की है और आज उत्तर प्रदेश निरंतर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

गोरखपुर के विकास की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि पांच लाख लोगों के लिए 'न्यू गोरखपुर सिटी' बन रही है।

पंत पर 12 लाख रुपए का जुर्माना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ शुक्रवार को यहां खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

किसी भी गेंदबाजी टीम के लिए 20 ओवर पूरे करने का निर्धारित समय 90 मिनट है। लखनऊ की टीम निर्धारित समय से एक ओवर पीछे चल रही थी। इस कारण उसे अंतिम ओवर में 30 गज के बाहर एक क्षेत्ररक्षक कम रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, ''आईपीएल आचार संहिता के धीमी ओवर गति से संबंधित अनुच्छेद 2.22 के तहत यह उनकी टीम का सत्र का पहला अपराध था, इसलिए ऋषभ पंत पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।''

इस बीच लखनऊ के स्पिनर दिग्वेश राठी पर आईपीएल की आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन करने के बाद लगातार दूसरी बार उनकी मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

राठी को पंजाब किंग्स के खिलाफ सर्वाधिक विकेट लेने का जश्न मनाने के लिए उनकी मैच फीस का आधा हिस्सा भी देना पड़ा था। उन्होंने मुंबई के बल्लेबाज नमन धीर को आउट करने के बाद फिर से नोटबुक लिखने की शैली में जश्न मनाया। बीसीसीआई के अनुसार, ''इस सत्र में आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 के तहत यह उनका दूसरा अपराध था और इसके लिए उनके खाते में एक और डिमैरिट अंक जोड़ दिया गया है।

इस तरह से उनके नाम पर अब दो डिमैरिट अंक जमा हो गए हैं।''

झारखंडः माओवादियों के 16 बंकर नष्ट और चार आईईडी बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चाईबासा (झारखंड)/भाषा। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में सुरक्षाबलों ने माओवादियों के 16 बंकरों को शनिवार को नष्ट कर दिया और चार शक्तिशाली संवर्धित विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बरामद किए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने बताया कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और झारखंड पुलिस के जवानों ने एक संयुक्त अभियान के दौरान जराइकेला थाना क्षेत्र के बाबूडेरा गांव के पास जंगल के रास्ते पर लगाए गए चार आईईडी का पता लगाया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के कार्यकर्ताओं ने सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के लिए ये आईईडी लगाए थे। उन्होंने बताया कि इन आईईडी का वजन पांच-पांच किलोग्राम है, हालांकि बम निरोधक दस्ते ने इन्हें निष्क्रिय कर दिया।

अधिकारी ने बताया कि सुरक्षाबलों को माओवादियों के 16 बड़े बंकर का भी पता चला, जिसके बाद उन्होंने इसे भी नष्ट कर दिया। उन्होंने बताया कि इन बंकरों में 40 से 50 नक्सली रह सकते थे।

अधिकारी ने बताया कि जिले के नक्सल प्रभावित छोटानागरा और जराइकेला थाना क्षेत्रों में मिसिर बेसरा समेत माओवादियों के शीर्ष नेताओं की गतिविधि के बारे में मिली खुफिया जानकारी के आधार पर शनिवार को एक विशेष अभियान शुरू किया गया था। मिसिर बेसरा पर एक करोड़ रुपए का इनाम है।

रेलवे परियोजनाओं से संपर्क सुविधा संबंधी बुनियादी ढांचे में सुधार होगा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार द्वारा चार 'मल्टी-ट्रैकिंग' (एक खंड पर कई पटरियों का निर्माण) रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दिए जाने से संपर्क संबंधी बुनियादी ढांचे में सुधार होगा, लोगों के लिए सुविधा बढ़ेगी, लागत में कमी आएगी और आपूर्ति शृंखला मजबूत होगी। एक सरकारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मोदी ने रेल मंत्रालय की चार परियोजनाओं को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यह बात कही। इन परियोजनाओं की कुल लागत लगभग 18,658 करोड़ रुपए है।

महाराष्ट्र, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के 15 जिलों में फैली इन चार परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 1,247 किलोमीटर की वृद्धि होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'वाइब्रेंट विलेज' कार्यक्रम के दूसरे चरण को कैबिनेट की मंजूरी मिलना सीमावर्ती गांवों में बेहतर जीवन स्तर सुनिश्चित करने की दिशा में एक ''असाधारण खबर'' है। उन्होंने कहा, ''इस मंजूरी के साथ हम 'वाइब्रेंट विलेज' के पहले चरण में कवर किए गए गांवों के दायरे का भी विस्तार कर रहे हैं।''

इस कार्यक्रम का उद्देश्य जीवन संबंधी स्थितियों को बेहतर बनाना और आजीविका के पर्याप्त अवसर सृजित करना है ताकि समृद्ध और सुरक्षित सीमाएं सुनिश्चित की जा सकें, सीमा पार अपराधों पर लगाम लगाई जा सके और सीमा पर रहने वाले लोगों को राष्ट्र के साथ एकीकृत किया जा सके तथा उन्हें 'सीमा सुरक्षा बलों की आंख और कान' के रूप में तैयार किया जा सके जो कि आंतरिक सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

एक बयान में कहा गया है कि 6,839 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय वाला यह कार्यक्रम 2028-29 तक अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के रणनीतिक रूप से अहम चुनिंदा गांवों में लागू किया जाएगा।

इस युग में द्रविड़ सर जैसे अविश्वसनीय इंसान का साथ मिलना सौभाग्य की बात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारत के पूर्व मुख्य कोच और राजस्थान रॉयल्स के मेंटर (मार्गदर्शक) राहुल द्रविड़ की देखरेख में खेलने वाले युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा कि इस युग में उनके जैसा सहानुभूति के साथ देखभाल करने वाला इंसान का साथ मिलना सौभाग्य की बात है।

भारतीय टेस्ट टीम के मुख्य सलामी बल्लेबाज जायसवाल राजस्थान रॉयल्स के अहम खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने अपने करियर पर द्रविड़ के प्रभाव के बारे में बात करते हुए पूर्व भारतीय दिग्गज को बेहतरीन इंसान करार दिया।

जायसवाल ने 'जियोहॉटस्टार' से कहा, ''वह एक बेहतरीन इंसान हैं। इस युग में राहुल द्रविड़ सर जैसे खिलाड़ी का होना सौभाग्य की बात है।''

इस खब्बू बल्लेबाज ने विस्तार से बताया कि द्रविड़ एक इंसान के तौर पर किस तरह अलग हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि वह एक बेहतरीन 'लीडर' है। वह एक शानदार सहायक और देखभाल करने के साथ हमेशा सभी का ख्याल रखने वाले इंसान है। वह खिलाड़ियों में आत्मविश्वास भरते हैं, उन्हें भरोसा दिलाते हैं कि वे सही जगह पर हैं। वह सही मार्गदर्शन प्रदान करते हैं, जो व्यक्तिगत करियर और पूरी टीम दोनों के लिए महत्वपूर्ण है।''

द्रविड़ के साथ कोई भी बातचीत सीखने का अवसर है।

जायसवाल ने कहा, ''उनके करीब रहना सीखने का अवसर है। यह सीख न केवल क्रिकेट के बारे में, बल्कि मैदान के बाहर उनके व्यवहार के बारे में भी है। उन्होंने वर्षों से इतनी शालीनता और संयम दिखाया है। उनसे सीखने के लिए बहुत कुछ है।''

करियर के मोर्चे पर जायसवाल ने पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर मुंबई से गोवा जाने का फैसला किया है और अगले सत्र में रणजी ट्रॉफी में उनकी कप्तानी करने के लिए तैयार हैं (जब भी उन्हें खेलने का समय मिलेगा)।

खांडू ने पूर्वोत्तर में शांति लाने का श्रेय हिमंत को दिया

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शनिवार को पूर्वोत्तर में शांति लाने का श्रेय असम के अपने समकक्ष हिमंत विश्व शर्मा को दिया। खांडू ने पश्चिम सियांग जिले के आलो में गालो जनजाति के मोपिन उत्सव में भाग लेने के लिए शर्मा को धन्यवाद दिया। सभा को संबोधित करते हुए खांडू ने शर्मा को पूर्वोत्तर का गतिशील नेता और देश के राजनीतिक परिदृश्य में एक प्रमुख व्यक्ति बताया।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में खांडू के हवाले से कहा गया, जब से मोदीजी प्रधानमंत्री बने हैं और हिमंतजी असम के मुख्यमंत्री बने हैं, पूरे पूर्वोत्तर में शासन और विकास की गति में आमूलचूल परिवर्तन देखने को मिला है। एक राज्य के रूप में असम इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। असम में जो कुछ भी होता है, उसका असर हम सभी पर पड़ता है। खांडू ने क्षेत्र में शांति लाने का श्रेय हिमंत को दिया और कहा कि यही विकास का एकमात्र रास्ता है। उन्होंने कहा, उग्रवाद, जिसने दशकों तक असम को प्रभावित किया और असम के साथ एक लंबी अंतर-राज्यीय सीमा साझा करने वाले अरुणाचल प्रदेश को प्रभावित किया, शर्मा के प्रयासों और प्रधानमंत्री व केंद्रीय गृह मंत्री के आशीर्वाद के कारण अब लगभग समाप्त हो गया है।

अर्थव्यवस्था बचाने के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति से सीखे सरकार : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि सरकार को अमेरिका के राष्ट्रपति से सीखना चाहिए कि वह किस तरह अपने देश की अर्थव्यवस्था बचाने के लिये वे दूसरे देशों पर पाबंदिया लगा रहे हैं । अखिलेश ने शनिवार को एक पत्रकार वार्ता में कहा, ''सरकार अमेरिका के राष्ट्रपति जी से सीखे कि अपने देश की अर्थव्यवस्था बचाने के लिये वे दूसरे देशों पर पाबंदिया लगा रहे हैं ।'' उन्होंने कहा, ''हमें अमेरिका जैसे देश से सीखना चाहिए। हमें भी अपनी अर्थव्यवस्था बचाने के लिये दूसरे देशो पर उतनी ही पाबंदी लगा देनी चाहिए।''

सपा प्रमुख ने कहा कि आज की सबसे बड़ी चुनौती अर्थव्यवस्था की है। उन्होंने पूछा कि जिन लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है, उनकी प्रति व्यक्ति आय कितनी है। उन्होंने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था कहां खड़ी है। अर्थव्यवस्था में भी झूठे आंकड़े बताते हैं।

वक्फ संपत्तियों पर कब्जे के सवाल पर उन्होंने भाजपा को 'भूमाफिया वाली पार्टी' करार दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा गोरखपुर और अयोध्या में जमीन कब्जा करने में लगी है। उन्होंने कहा, ''सबसे बड़ी भूमाफिया पार्टी भाजपा है। उससे ज्यादा जमीन किसी ने हड़पी है तो वह भाजपा के लोग हैं, गोरखपुर, अयोध्या कानपुर और लखनऊ इन चार जिलों की रजिस्ट्रियों की जांच करा ले। सरकारी जमीन पर भाजपा के लोग कब्जा किये हुये है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि गोरखपुर एवं अयोध्या में सबसे ज्यादा रजिस्ट्री भाजपा के लोगो ने करवाई है ।

भाजपा द्वारा लाये गये वक्फ बोर्ड कानून पर यादव ने कहा, ''यह भाजपा के लिये वाटरलू साबित होगा ।'' उन्होंने आरोप लगाया कि वक्फ कानून लाये जाने के बाद भाजपा के लोग सोशल मीडिया पर समाजवादी पार्टी और पीडीए को बदनाम करने की कोशिश कर रही हैं । उन्होंने कहा कि उप्र सरकार प्रयागराज कुंभ में जिन हिन्दू श्रद्धालुओं की जान चली गई, उनकी गिनती नहीं बता पाए। ये गिनती इसलिए नहीं बताई जा रही क्योंकि इनको मुआवजा देना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सरकार गिनती में खेल न करें ।

भ्रष्टाचार के एक मामले में सरकार के एक अधिकारी और उसके दलाल के पकड़े जाने को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि ये भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि सत्ता का बंटवारा है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है जब किसी सरकार में इतनी खुली मिलीभगत देखने को मिली है।

उन्होंने आरोप लगाया कि एक अफसर अकेले काम नहीं कर सकता, उसके पीछे पूरा तंत्र सक्रिय है। उन्होंने इसे सिस्टम का मैनेजमेंट बताया।

भ्रष्टाचार पर उप्र सरकार पर प्रहार करते हुए यादव ने कहा,''जो लोग निवेश लाना चाहते थे वो विनाश ले आएं । उन्हीं का अधिकारी पकड़ा गया,सुनने में तो आ रहा हैं कि मुख्यमंत्री आवास में ही सब भ्रष्टाचारी छिपे हुए हैं ।''

राहुल के अर्धशतक के बाद गेंदबाजों ने चेन्नई के खिलाफ दिल्ली को दिलाई शानदार जीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। लोकेश राहुल की 51 गेंद में 77 रन की पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में शनिवार को यहां चेन्नई सुपरकिंग्स को 25 रन से शिकस्त देकर मौजूदा सत्र में तीन मैचों में तीसरी जीत दर्ज की। दिल्ली की यह चेपॉक मैदान पर पिछले 15 साल में पहली जीत है।

दिल्ली ने छह विकेट पर 183 रन बनाने के बाद चेन्नई की पारी को पांच विकेट पर 158 रन पर रोक दिया। चेन्नई की चार मैचों में यह लगातार तीसरी हार है।

चेन्नई ने 11वें ओवर में 74 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद विजय शंकर (नाबाद 69) और दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी (नाबाद 30) ने 57 गेंद में 84 रन की अटूट साझेदारी कर हार के अंतर को कम किया।

शंकर ने 54 गेंद की नाबाद पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया जबकि धोनी ने 26 गेंद की नाबाद पारी में एक चौका और एक छक्का लगाया।

दिल्ली के लिए विप्रज निगम ने चार ओवर में 27 रन देकर दो जबकि कुलदीप यादव, मिचेल स्टार्क और मुकेश कुमार को एक-एक सफलता मिली।

इससे पहले राहुल ने एक छोर संभालते हुए अपनी पारी में छह चौके और तीन छक्के जड़े। ट्रिस्टन स्टब्स ने 12 गेंदों पर नाबाद 24 रन बनाए लेकिन बाद मथिश पथिराना (31 रन पर एक विकट) ने आखिरी ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए दिल्ली की टीम को और बड़ा स्कोर खड़ा करने से रोक दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए मुकेश कुमार ने दूसरे ओवर में अपनी गेंद पर शानदार कैच लपककर रचिन रविंद्र (तीन) को चलता किया तो वही स्टार्क के खिलाफ अगले ओवर में कप्तान रुतुराज गायकवाड़ (पांच) बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में जैक फ्रेजर मैकगुर्क को कैच दे बैठे।

छठे ओवर में गेंदबाजी के लिए आये निगम ने अपनी फिरकी में डेवोन कॉन्वे (13) को फंसाया। शिवम दुबे (18) ने इस गेंदबाज के खिलाफ चौका और छक्का जड़ा लेकिन एक और बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में ट्रिस्टन स्टब्स को कैच दे बैठे। कुलदीप ने इसके बाद रविंद्र जडेजा (दो) को पगबाधा कर चेन्नई की उम्मीदों को लगभग खत्म कर दिया।

एक छोर से विजय शंकर बड़ा शॉट लगाने के लिए संघर्ष कर रहे थे तो दूसरी ओर से दिग्गज धोनी का बल्ला भी गेंद के साथ अच्छे से संपर्क नहीं कर पा रहा था।

शंकर ने मोहित और फिर कुलदीप के खिलाफ चौके लगाये जिससे टीम ने 15वें ओवर में रनों का सैकड़ा पूरा किया।

बलिया में शिव मंदिर से माता पार्वती की प्रतिमा गायब, पुलिस जांच में जुटी

बलिया (उप्र)/भाषा। बलिया जिले के मनियर थाना क्षेत्र में शिव मंदिर से मां पार्वती की प्रतिमा गायब कर दी गयी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, मनियर थाना क्षेत्र के मनियर कस्बे के बड़ा पोखरा के समीप शिव मंदिर में स्थापित मां पार्वती की प्रतिमा को शुक्रवार की रात्रि उखाड़ कर गायब कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि जब मंदिर में लोग पूजा करने गए तो इसकी जानकारी हुई और फिर पुलिस को सूचना दी गयी। थाना प्रभारी रत्नेश दूबे ने शनिवार को बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा पुलिस ने शिव मंदिर में नई प्रतिमा स्थापित करा दी है। उन्होंने बताया कि मौके पर शांति कायम है। दूबे ने बताया कि इस मामले में कोई तहरीर नहीं मिली है, लेकिन पुलिस मामले में विधिक कार्रवाई कर रही है।

सुविचार

यदि आप इस बात पर रोते हैं कि आपके जीवन से सूर्य चला गया है, तो आपके आँसू आपको सितारों को देखने से रोक देंगे।

ट्वीट

मैंने राइजिंग राजस्थान को लेकर सामने आ रहे सच पर सवाल क्या उठाए, भाजपा के तमाम विधायक, मंत्री और पूर्व मंत्री तक सरकार के बचाव में उतर आए। सबकी भाषा भी एक जैसी है जिसे देखकर लगता है कि मुख्यमंत्री ने शायद उन्हें आदेश दिया है कि वो जनता को गुमराह करें।

-टीकाराम जूली

2006 में कांग्रेस ने ऐतिहासिक अन्याय को दूर करने और आदिवासियों को उनके जल, जंगल और ज़मीन पर अधिकार सुनिश्चित करने के लिए वन अधिकार अधिनियम लागू किया था।

-राहुल गांधी

कहानी

ज़ख्म

दो दिन से हो रही बारिश रुकने का नाम ही नहीं ले रही थी। बाहर हो रही तेज बारिश की परवाह किये बगैर यूनिवर्सिटी में समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राजन ने विभाग के पोर्च से अपनी कार निकाली और तेजी से कार चलाते हुए वहां से स्थानीय गर्ल्स कॉलेज के लिए रवाना हो गए। उनकी पुत्री नेहा का लेट फीस के साथ कला विषय में प्रथम वर्ष का प्राइवेट स्टूडेन्ट के रुप में एग्जामिनेशन फॉर्म भरने का आखिरी दिन था। फीस के साथ फॉर्म कॉलेज में ही जमा कराना था। नेहा द्वारा भरा गया फॉर्म और साथ में लगने वाले जरुरी कागजात वो अपने साथ लेकर आए थे।

कॉलेज के स्टाफ के सभी सदस्य उनसे भली भांति परिचित थे। उन्हें कॉलेज में पुत्री नेहा का फॉर्म जमा कराते देख वहां बैठे क्लर्क ने आश्चर्य से पूछा, सर, नेहा बिटिया तो विज्ञान की स्टूडेन्ट है न, बड़ी मेधावी छात्रा है।मेरी बिटिया के साथ ही उसने पिछले सेशन में बारहवीं कक्षा पास करी थी।मेरी बिटिया भी गत वर्ष पी. एम. टी.में उत्तीर्ण नहीं हो सकी,वह इसी गर्ल्स कॉलेज में बी.एस.सी प्रथम वर्ष की रेगुलर स्टूडेन्ट है। नेहा बिटिया ने तो पी.एम. टी की दोबारा तैयारी के लिए साल यह ड्रॉप किया है न? अच्छा है सर डॉक्टर बन जाएगी, आपका और परिवार का नाम रोशन करेगी। लेकिन सर, आप नेहा का कला विषय में प्राइवेट स्टूडेन्ट के रूप में फॉर्म जमा करवा रहे हैं, अभी तो पी. एम .टी के पेपर ही नहीं हुए और आप नेहा का विषय ही बदलवा रहे हैं? यह कहकर क्लर्क प्रो.राजन को आश्चर्य से देखने लगा। प्रो.राजन ने उससे कहा कि बिटिया को आगे पढ़कर एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज में जाना है, उसके लिए ग्रेजुएशन ही जरुरी है। अब भले वो मेडिकल ग्रेजुएट हो या अन्य विषय में। कला विषय में उसे वक़्त और गाइडेन्स पूरी मिल जाएगी। इसीलिए उसने विषय बदलने का निर्णय लिया है। क्लर्क जानता था कि प्रो. राजन के साथ पिछले सप्ताह हुआ वाकया ही नेहा के विषय बदलने का कारण था। क्लर्क के मुँह से नेहा बिटिया आपका और परिवार का नाम रोशन करेगी सुनकर प्रो.राजन की आँखों के आगे अपना नाम, शोहरत और पिछले सप्ताह की घटना एक फिल्म की तरह चलने लगे।

शहर में विनम्र स्वभाव के मिलनसार विद्वान समाजशास्त्री प्रो.राजन का बहुत नाम था। अपनी विद्वता और व्यवहार से उन्होंने बहुत इज़्ज़त और शोहरत कमाई थी। कई सरकारी महकमों में ऊँचे पदों पर बैठे अफसर उनके शिष्य रह चुके थे। शहर में होने वाले साहित्यिक और सामाजिक कार्यक्रमों में अक्सर वो ही अध्यक्षता करते थे। शानदार व्यक्तित्व और किसी भी विषय पर धारा प्रवाह बोलना उन्हें अलग पहचान दिलाता था। आधुनिक समाज के परिवार और परिवेश के बारे में भी उनके विचार अन्य विद्वानों से अलग थे। समाज में शिक्षा और आधुनिक पहनावे से बढ़कर वे संस्कारों को सबसे ऊपर मानते थे। वो इस बात के प्रबल समर्थक थे कि घर का माहौल और उच्च संस्कार ही बच्चे के चरित्र निर्माण और सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। उनकी इस बात की तारीफ़ उनके अनेक शिष्य, जिन्होंने उनके मार्गदर्शन में पीएच डी.की उपाधि प्राप्त की थी,अक्सर किया करते थे। प्रो.राजन ने हमेशा अपने स्टूडेन्टस को उच्च चरित्र रखने और उस पर अमल करने का पाठ पढाया।

शहर में लड़कियों के साथ बढ़ रही कुछ मनचलों द्वारा छेड़छाड़ और अभद्र व्यवहार के लिए भी प्रो.राजन अधिकतर मामलों में मनचले लड़के और लड़कियों के संस्कारों को ही मुख्य रूप से जिम्मेवार मानते थे। इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए सरकार की पहल पर प्रदेश और जिला स्तर पर गठित पुलिस की एंटी रोमियो स्क्वाड को प्रो.राजन ने मुक्त कंठ से सराहनीय कदम बताया था। शहर की विभिन्न सरकारी , गैरसरकारी संस्थाओं और राजनीतिक पार्टियों के स्थानीय नेताओं द्वारा एंटी रोमियो स्क्वाड की महत्ता बताने के लिए आयोजित कार्यक्रमों में प्रो.राजन मुख्य वक्ता होते थे। हर रोज कई अखबारों के पन्ने तो पुलिस द्वारा पकड़े गए शक के दायरे में लड़के और लड़की और उन पर की गई कार्रवाई की खबर से भरे रहते थे। एक खबर समाज शास्त्र के विद्वान प्रो. राजन की इसकी महत्ता को लेकर विशेषज्ञ टिप्पणी की भी होती थी। गुजरते वक़्त के साथ एंटी रोमियो स्क्वाड के साथ वो भी चर्चा में रहने लगे थे।

कहतें हैं बुरा वक़्त आता है तो किसी को कहकर नहीं आता, बिना बताए ही आता है। प्रो.राजन के साथ भी पिछले सप्ताह कुछ ऐसा ही हुआ था। एक राजनीतिक पार्टी की स्थानीय शाखा ने शहर के टाउन हॉल में समाज, शिक्षा और संस्कार विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया था। स्थानीय सांसद,विधायक, प्रशासनिक अधिकारियों और विद्वान समाजशास्त्रियों ने इसमे भाग लिया था। प्रो.राजन इसमें मुख्य वक्ता थे। गोष्ठी में आए सभी वक़्ताओं द्वारा अपने-अपने विचार रखने के बाद प्रो.राजन ने अपने विचार रखने शुरु ही किए थे कि उनके मोबाइल पर बार-बार आती हुई कॉल की बज रही घंटी उन्हें परेशान करने लगी। कॉल लगातार आ रही थी। वो मोबाइल पर नम्बर या नाम देखते और उसे बंद कर वापिस जेब में रख देते।बहुत बार ऐसा होते देख सांसद महोदय ने उनसे रुककर मोबाइल पर आ रही कॉल पर बात कर लेने को कहा। मोबाइल कॉल पर बात करते ही अचानक पसीने-पसीने हुए प्रो. राजन जरुरी काम का कहते हुए, सभी दे माफ़ी मांगते हुए जाने की इजाजत लेकर वहां से चल दिए। उनके साथ वालों ने उनसे कारण जानना चाहा लेकिन उन्होंने किसी को कुछ नहीं बताया।

प्रो. राजन के मोबाइल पर आया कॉल उनकी पुत्री नेहा के कोचिंग इंस्टिट्यूट से था, जिन्होंने उन्हें तुरंत वहां बुलाया था। इंस्टिट्यूट में स्टूडेन्टस की भीड़ और पुलिस देखकर मानो उनका कलेजा मुंह को आ गया। किसी तरह वो हिम्मत करके अंदर पहुंचे। अपना परिचय दिया तो इंस्टिट्यूट के व्यवस्थापक ने श्रद्धा से उनके चरण छुए और कहा सर, आपसे मिलकर मैं धन्य हो गया। व्यक्ति के जीवन में समाज और परिवार, चरित्र और संस्कार पर लिखी आपकी अनेक पुस्तकें मैं पढ़ चुका हूं। चरित्र पर कोई दाग नहीं लगे, इसकी हर सम्भव कोशिश करता हूं और अपने स्टूडेन्टस को भी इस बारे में बताता हूं। इससे पहले कि वह कुछ और कहता, प्रो.राजन ने नेहा से मिलाने के लिए कहा। जब उन्हें पूरा वाकया बताया गया तो सुनकर उनके होश उड़ गए। एक बार तो उन्हें अपने कानों पर विश्वास ही नहीं हुआ। उन्हें पूरा यकीन था कि जो उन्हें बताया जा रहा था वह सही नहीं था। वो जल्दी से जल्दी नेहा से मिलना चाहते थे।

व्यवस्थापक उन्हें उस कमरे के बाहर ले गया जिसमें नेहा थी और उसने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर रखा था। इसलिए पुलिस को सूचना दी गई थी। एंटी रोमियो स्क्वाड प्रभारी जोकि थाना अधिकारी भी थे और पुलिसकर्मी सभी प्रो.राजन से परिचित थे, नेहा को दरवाजा खोलने के लिए बहुत देर से कह रहे थे। प्रो. राजन को बताया गया कि लंबे समय से नेहा इंस्टिट्यूट कैम्पस की प्रवेश रजिस्टर में उपस्थित होने के बावजूद भी क्लासेज में अनुपस्थित रहती थी। इस बात पर नज़र रखने के बाद पाया कि वह एक कमरे में, जो अक्सर खाली पड़ा रहता था, उसमें एक लड़के के साथ जाती हुई देखी गई। प्रवेश रजिस्टर की उपस्थिति के अनुसार नेहा के अलावा सभी स्टूडेन्टस अपनी-अपनी क्लास में उपस्थित मिले। मतलब वह लड़का उनके इंस्टिट्यूट में नहीं पढ़ता था। वह लड़का अंदर कैसे आ गया यह भी पता लगाना था। कमरे के अंदर नेहा के साथ वह लड़का भी था। यह सुनते ही उनके चेहरे पर तरह -तरह के रंग और भाव चढ़ने उतरने लगे। उनके पांव कांपने लगे और माथे पर पसीने की बूंदें चमकने लगीं। असहज होकर वो भी नेहा से दरवाजा खोलने का कहने लगे।

बहुत देर तक मशक्कत करने और पुलिस द्वारा कमरे का दरवाजा तोड़ने का कहने के बाद नेहा ने दरवाजा खोला। वाकई उसके साथ एक लड़का खड़ा था। उन्हें देखकर वहां खड़े सभी लोग और स्टूडेन्टस हैरान रह गए। पुलिस नेहा और उस लड़के को पूछताछ के लिए इंस्टिट्यूट के ऑफिस में व्यवस्थापक और प्रो. राजन के साथ ले गई। सभी को वहां से बाहर करते हुए स्टूडेन्टस की क्लासेज की छुट्टी कर दी। कड़ी पूछताछ के बाद लड़के ने बताया कि वह स्थानीय कॉमर्स कॉलेज में फाइनल ईयर का स्टूडेन्ट था। वह और नेहा एक ही स्कूल में पढ़ते थे। वह स्कूल में नेहा से दो साल सीनियर था। दोनों एक ही बस में स्कूल जाते थे। वहीं से उनकी जान पहचान हुई जो कब प्यार में बदल गई, उन दोनों को पता ही नहीं चला। स्कूल के बाद वह नेहा से यहां मिलने लगा। वो दोनों एक दूसरे के बिना नहीं रह सकते। वह नेहा से शादी करना चाहता था और उससे ही करेगा।

लड़का बिना किसी डर के अपनी और नेहा की लव स्टोरी सुना रहा था। नेहा चुपचाप खड़ी बिना किसी शर्मिन्दगी के अपनी लव स्टोरी सुन रही थी। उसके चेहरे पर किसी तरह के पश्चाताप या घबराहट के भाव नही थे। पढ़ने और अपना कॅरियर बनाने की उम्र में बच्चे बड़ों के सामने इस तरह की बातें कर रहे थे। यह बड़ा ही चिन्ता का विषय था। लड़का इंस्टिट्यूट के कैम्पस में कैसे आता था, इस प्रश्न का उसने कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया। प्रो. राजन हैरान और परेशान थे। घर से आ रहे फोन कॉल का भी वो कोई जवाब नहीं दे रहे थे। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि वो करें भी तो क्या करें? क्या वो फोन पर ही अपनी पत्नी को बेटी की करतूतें बता दें? पुलिस ने जब व्यवस्थापक और प्रो. राजन से लड़के के खिलाफ कार्रवाई करने का पूछा तो दोनों ने ही इससे अपनी ही बदनामी होने के कारण कोई कार्रवाई नहीं करने का आग्रह किया। पुलिस ने भी लड़के को भविष्य के लिए जरुरी हिदायत देकर और उसका पूरा ब्यौरा लेकर जाने दिया।

कोचिंग इंस्टिट्यूट में नेहा के एक लड़के के साथ कमरे में पकड़े जाने की खबर शहर में आग की तरह फैल गई थी। नेहा के साथ पढ़ने वाले स्टूडेन्टस ने अपने परिवार वालों को कोचिंग इंस्टिट्यूट से जल्दी आने का सही कारण जो बात दिया था। प्रो. राजन नेहा के साथ जब तक घर पहुंचते उससे पहले ही उनकी पत्नी को यह बात अपनी सहेलियों से फोन पर पता चल चुकी थी। घर के अंदर अजीब सा सन्नाटा पसरा हुआ था। सभी सदस्य नम आंखों से एक दूसरे से नजरें चुरा रहे थे। नेहा बिना किसी से बात किए सीधी अपने कमरे में चली गई। सांसद, विधायक, जानकार और समझदार लोग भी फोन करके उनसे इस घटना के बारे में पूछ रहे थे। नेहा को कोचिंग इंस्टिट्यूट से इस घटना के बाद निकाल दिया गया था, यह सूचना व्यवस्थापक ने उन्हें फोन पर दी।

प्रो. राजन सोफे पर अपना सिर दोनों हाथों से पकडे बैठे थे। उनकी आंखे आंसुओं से भर गई थीं। रुंधे गले से वो कुछ कहना चाहते थे, पर वह कह नहीं पा रहे थे। उनकी आंखों का सब्र का बाँध टूट गया और वो सिसकियां लेकर रोने लगे। तरह-तरह के विचारों का बवंडर उनके दिल और दिमाग में उठता और उनको अंदर तक झकझोर देता। वो इस घटना से अपनी और परिवार की प्रतिष्ठा पर पड़ने वाले असर को जानते थे। लेकिन उसका सामना करने के लिए वो मानसिक रुप से तैयार नहीं थे। यह कोई मामूली घटना नहीं थी। इसने उनके पूरे परिवार के वजूद को ही हिला दिया था। वो इस बात से भी डरे हुए थे कि लोग क्या सोचेंगे और कहेंगे? जमाने को उच्च संस्कार की शिक्षा देने वाला प्रोफेसर अपनी पुत्री को ही सही संस्कार नहीं दे सका। जो उन्हें ट्यूशन पढ़ने जाने का कहकर, धोखा देकर एक लड़के के साथ बंद कमरे में इश्क फरमाते हुए पकड़ी गई। दीये तले अंधेरा।

घर में सभी आक्रोशित थे लेकिन चुप थे। चिन्तित थे नेहा के भविष्य को लेकर। क्या वह अपने और परिवार पर लगे कलंक को कभी मिटा पाएगी? घर के सभी बड़े सोच रहे थे की नेहा की परवरिश में उनसे क्या कमी रह गई, जो उन्हे ये दिन देखना पड़ा? उन्हें अपने किन गुनाहों की यह सजा मिली थी? परिवार द्वारा इतने सालों में कमाई इज़्ज़त, शोहरत सब मिट्टी में मिल गए थे। वो किसी से अब नज़रें तक नहीं मिला सकते थे। परिवार में सभी लोग इस बात से हैरान थे कि घर में किसी को भी नेहा के उस लड़के के साथ किसी तरह के संपर्क या संबंध की बात की भनक तक नहीं थी। प्रो.राजन दुनिया को संस्कार का पाठ पढ़ाते रह गए और उनकी पुत्री नेहा ने अपनी करतूतों से उनकी शिक्षा और संस्कार का जनाज़ा ही निकाल दिया था।

अपने को किसी तरह संभाल कर प्रो. राजन ने अपने संबंधों और संपर्कों को काम में लेते हुए लड़के के ऊपर कोई कार्रवाई न होने देने के कारण थाना अधिकारी से कोचिंग इंस्टिट्यूट में नेहा वाली घटना से संबंधित कोई भी खबर किसी भी अख़बार या टीवी को नहीं देने का आग्रह किया। सभी ने उन्हे इस बात के लिए आश्वस्त किया कि यह खबर नहीं आएगी। अगले दिन किसी भी अखबार में या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में नेहा से संबंधित घटना का जिक्र नहीं था। लेकिन समाज, शहर और जानकार लोगों के गलियारों में आग की तरह फ़ैल चुकी इस घटना की खबर पर सभी अपने-अपने अन्दाज में चटकारे लेकर बात कर रहे थे और नेहा की इस करतूत को परिवार की इज़्ज़त पर दाग बता रहे थे।

नेहा पर इस घटना का कोई असर नहीं था। मानो अप्रत्याशित कुछ हुआ ही नही। उसका मोबाइल और लैपटॉप उससे ले लिया गया था।घर के सभी सदस्यों ने उसे बहुत समझाया और सब भूलकर अपने कॅरियर की तरफ ध्यान देने को कहा। परिस्थितियों को देखते हुए सभी एक राय थे कि नेहा का विषय ही बदलवा दिया जाए और प्राइवेट स्टूडेन्ट के रुप में परीक्षा दिलवाई जाए। नेहा को इस बारे में बता दिया गया। घर के सभी सदस्य जानते थे कि जैसा वो सोच रहे थे मामला उतना आसान नहीं था। लेकिन उनके पास दूसरा कोई विकल्प भी नहीं था। उनके नाम सम्मान पर जो दाग लगा था वो मिटने वाला नहीं था। जमाना भले ही भूल जाए लेकिन वो इसे ताउम्र नहीं भूला पाएंगे। गुजरते वक़्त के साथ सब ठीक हो जाए सभी भगवान से यही प्रार्थना कर रहे थे।

अचानक एग्जामिनेशन फीस जमा कराने की रसीद ले लेने के लिए क्लर्क की आवाज सुनकर प्रो.राजन अतीत से वर्तमान में लौटे। उनके आस-पास स्टाफ के कई लोग आकर खड़े हो गए थे। उन्हें लगा मानो सभी की आंखों में उनसे पूछने के लिए नेहा वाली घटना के और उसे दिए संस्कार के कई प्रश्न थे ,जिनका उनके पास कोई जवाब नहीं था। उन्हे पता नहीं था कि यह उनका वहम था या वाकई ऐसे प्रश्न लोगों की आंखों में थे। वहां खड़े सभी लोगों का नज़रें चुराते हुए अभिवादन स्वीकार कर प्रो. राजन जल्दी से निकल लिए।

बारिश के साथ आसमान में घने बादल छाने से दिन में अंधेरा हो गया था। प्रो.राजन जानते थे कि बादल छंटते ही धूप निकलने के साथ फिर से उजाला हो जाएगा।लेकिन वो यह नहीं जानते थे कि उनके मान सम्मान पर अंधेरे की जो चादर आ पड़ी है, क्या कभी वह हटकर उनकी ज़िन्दगी में फिर से उजाला हो पाएगा?भारी कदमों से बारिश में भीगते हुए वो अपनी कार की ओर चल दिए। सुख की बारिश होती तो सभी को अच्छा लगता ,लेकिन यहां तो दु:ख की बारिश थमने का नाम ही नहीं ले रही थी।

बारिश में भीगने के बाद उनका शरीर और कपड़े तो सूख जाते परंतु अपनों ही द्वारा दिए गए दर्द से उनका अंतस पूरी तरह भीग चुका था। कुछ दूर चल कर वो फिसल कर गिर पड़े। उन्हें हल्के ज़ख्म भी हुए। जख्मों की परवाह न करते हुए वो उठे और कार में बैठकर रवाना हो गए। गिरने से हुए ज़ख्म तो फिर भी दवा से ठीक हो जाते, लेकिन नेहा की घटना ने उन्हें अपनी ही निगाहों में गिराकर आत्मा को ज़ख्मों से छलनी कर दिया उसका इलाज नहीं था। इन ज़ख्मों की टीस उनको जीवन भर रहेगी और सालती रहेगी।

सुधीर केवलिया
संपर्क : 09413279217

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

राम, राम-सा..!

राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे,
सहस्त्रनामतत्तुल्यं राम नाम वरानने।

राम मर्यादापुरुषोत्तम हैं, लोकहितकारी हैं। राम एकमेवाद्वितीय हैं। राम राम-सा ही हैं, अन्य कोई उपमा उन्हें परिभाषित नहीं कर सकती। विशेष बात यह कि अनन्य होकर भी राम सहज हैं, अतुल्य होकर भी राम सरल हैं, अद्वितीय होकर भी राम हरेक को उपलब्ध हैं। डाकू रत्नाकर ने मरा-मरा जपना शुरु किया और राम-राम तक आ पहुँचा। व्यक्ति जब सत्य भाव और करुण स्वर से मरा-मरा जपने लगे तो उसके भीतर करुणासागर राम आलोकित होने लगते हैं।

राम का शाब्दिक अर्थ हृदय में रमण करने वाला है। रत्नाकर का अपने हृदय के राम से साक्षात्कार हुआ और जगत के पटल पर महर्षि वाल्मीकि का अवतरण हुआ। राम का विस्तार शब्दातीत है। यह विस्तार लोक के कण-कण तक पहुँचता है और राम अलौकिक हो उठते हैं। कहा गया है, 'रमते कणे कणे, इति राम:'.. जो कण-कण में रमता है, वह राम है।

राम ने मनुष्य की देह धारण की। मनुष्य जीवन के सारे किंतु, परंतु, यद्यपि, तथापि, अरे, पर, अथवा उन पर भी लागू थे। फिर भी वे परम पुरुष सिद्ध हुए। वस्तुतः इस सिद्ध यात्रा को समझने के लिए उस सर्वसमावेशकता को समझना होगा जो राम के व्यक्तित्व में थी। राम अपने पिता के जेष्ठ पुत्र थे।सिंहासन के लिए अपने भाइयों और पिता की हत्या की घटनाओं से संसार का इतिहास रक्तरंजित है। इस इतिहास में राम ऐसे अमृतपुत्र के रूप में उभरते हैं जो पिता द्वारा दिए वचन का पालन करने के लिए राज्याभिषेक से ठीक पहले राजपाट छोड़कर चौदह वर्ष के लिए वनवास स्वीकार कर लेता है। यह अनन्य है, अतुल्य है, यही राम हैं।

भाई के रूप में भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न के लिए राघव अद्वितीय सिद्ध हुए। उनके भ्रातृप्रेम का अनूठा प्रसंग हनुमन्नाष्टक में वर्णित है। मेघनाद की शक्ति से मूर्च्छित हुए लक्ष्मण की चेतना लौटने पर हनुमान जी ने पूछा, 'हे लक्ष्मण, शक्ति के प्रहार से बहुत वेदना हुई होगी..!' लक्ष्मण बोले, नहीं महावीर, मुझे तो केवल घाव हुआ, वेदना तो भाई राम को हुई होगी..!'

यह वह समय था जब समाज में बहु पत्नी का चलन था। विशेषकर राज परिवारों में तो राजाओं की अनेक पत्नियाँ होना सामान्य बात थी। ऐसे समय में अवध का राजकुमार, भावी सम्राट 'एक पत्नी' व्रत का आजीवन पालन करे, यह विलक्षण है। शूर्पनखा का प्रकरण हो या पार्वती जी द्वारा सीता मैया का वेश धारण कर उनकी परीक्षा लेने का प्रसंग, श्रीराम की महनीय शुद्धता 24 टंच सोने से भी आगे रही। सीता जी के रूप में पार्वती जी को देखते ही श्रीराम ने हाथ जोड़े और पूछा, माता आप अकेली वन में विचरण क्यों कर रही हैं और भोलेनाथ कहाँ हैं?

इसी तरह हनुमान जी के साथ स्वामी भाव न रखते हुए भ्रातृ भाव रखना, राम के चरित्र को उत्तुंग करता है- 'तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई।'

समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलना राम के व्यक्तित्व से सीखा जा सकता है। उनकी सेना में वानर, रीछ, सभी सम्मिलित हैं। गिद्धराज जटायु हों, वनवासी माता शबरी हों, नाविक केवट हो, निषादराज गुह अथवा अपने शरीर से रेत झाड़कर सेतु बनाने में सहायता करनेवाली गिलहरी, सबको सम्यक दृष्टि से देखने वाला यह रामत्व केवल राम के पास ही हो सकता था। संदेश स्पष्ट है, जो तुम्हारे भीतर बसता है, वही सामने वाले के भीतर भी रमता है।...रमते कणे कणे...! कण कण में राम को राम ने देखा, राम ने जिया।

भारत के अनेक प्रदेशों में अभिवादन के लिए 'राम-राम' कहा जाता है। राजस्थान में 'राम राम-सा' का प्रयोग होता है। लोक के इस संबोधन में एक संदेश छिपा है। राम-सा केवल राम ही हो सकते हैं। सात्विकता से सुवासित जब कोई ऐसा सर्वगुणसम्पन्न हो कि उसकी तुलना किसी से न की जा सके, अपने जैसा एकमेव आप हो तो राम से श्रीराम होने की यात्रा पूरी हो जाती है। यही राम नाम का महत्व है, राम नाम की गाथा है और रामनाम का अविराम भी है।

राम राम रघुनंदन राम राम,
राम-राम भरताग्रज राम राम।
राम-राम रणकर्कश राम राम,
राम राम शरणम भव राम राम।।

सभी पाठकों को श्रीरामनवमी की हार्दिक स्वस्तिकामनाएँ।

बोध कथा

गरीब का झोला

तुर्की के महान दार्शनिक मुल्ला नसरुद्दीन बहुत चालाक और मजेदार आदमी थे। एक बार की बात है मुल्ला जी कहीं जा रहे थे। रास्ते में उन्होंने एक गरीब आदमी को देखा। गरीब आदमी बिल्कुल फटे हाल था और उसके पास एक झोला था। वह बहुत ही दुखी दिखाई दे रहा था और अपने नसीब को कोस रहा था। मुल्ला नसरुद्दीन ने उस आदमी से बात करना शुरू कर दिया। मुल्ला नसरुद्दीन अरे भाई! क्या हुआ? तुम बड़े परेशान दिखाई दे रहे हो। आदमी बोला क्या कहूं मुल्ला जी, इस दुनिया में कितना कुछ है, फिर भी मेरी झोली खाली है। मुझसे ज्यादा बदनसीब कोई नहीं है।

मुल्ला नसरुद्दीन गरीब का झोला देखकर बोले, यह तो बहुत ही बुरी बात है और उस गरीब का झोला लेकर भाग गए। आदमी चिल्लाते हुए मुल्ला नसरुद्दीन के पीछे भागा अरे मेरा झोला! अरे मेरा झोला!

थोड़ी दूर तक आदमी को भगाने के बाद मुल्ला नसरुद्दीन ने वो झोला सड़क के बीचों-बीच रख दिया और खुद छुप गए। आदमी ने झोला सड़क पर देखा, तो बहुत खुश हुआ। वह झोला उठाकर खुशी से झूमने लगा। मुल्ला नसरुद्दीन गरीब का झोला छुपकर देख रहे थे, वो भी मन ही मन मुस्कुराये और सोचने लगे थोड़ा टेढ़ा ही सही, लेकिन आदमी को खुश करने का अच्छा तरीका है।

कहानी से सीख

हमारे पास जो भी है, हमें उसमें संतुष्ट रहना चाहिए, क्योंकि कुछ लोगों के पास उतना भी नहीं होता है।

वीर गाथा

कैप्टन बीएम करिअप्पा : खड़ी चढ़ाई, गहरा अंधेरा ... चुनौतियों से जूझकर घुसपैठियों का कर दिया काम तमाम

कैप्टन बलेयदा मुथन्ना करिअप्पा का जन्म बेंगलूरु में माता जया मुथन्ना और पिता बीसी मुथन्ना के घर में हुआ था। उन्होंने कारगिल युद्ध में अत्यंत वीरता का प्रदर्शन किया था। 20 जून, 1999 की रात को, कैप्टन करिअप्पा और उनकी टुकड़ी उस बटालियन समूह में शामिल थे, जिसे जम्मू-कश्मीर में पॉइंट 5203 पर कब्जा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

इस पॉइंट पर पाकिस्तानी घुसपैठियों ने कब्जा कर रखा था। उन्होंने यहां मजबूत ठिकाना बनाकर भारतीय जवानों पर भारी गोलीबारी की थी। पॉइंट 5203 पर भारतीय जवानों ने पहले भी कब्जा करने की कोशिश की थी, लेकिन कामयाबी नहीं मिली थी।

चुनौती गंभीर थी। कैप्टन करिअप्पा ने कब्जा करने के लिए बहुत ध्यान से रणनीति बनाई। उसके बाद उनकी टुकड़ी ने नौ घंटे की खतरनाक और खड़ी चढ़ाई पार की। इस तरह भारतीय सेना के ये वीर योद्धा रात के अंधेरे को चीरते हुए उस इलाके में पहुंच गए।

दुश्मन को इस बात की भनक लग गई थी। उसने भारतीय जवानों की ओर तेज गोलीबारी की। उसकी हरकतों का मुंहतोड़ जवाब देते हुए कैप्टन करिअप्पा ने हमले का नेतृत्व किया। उन्होंने पाकिस्तानियों की ओर ग्रेनेड फेंके। इससे दो घुसपैठिए वहीं ढेर हो गए। इस जोरदार हमले से पाकिस्तानियों में खलबली मच गई थी। पॉइंट 5203 पर भारतीय सेना का कब्जा हो गया। इस सफलता से हमारे जवान बहुत उत्साहित थे। अब आगे बढ़ने की बारी थी। 22-23 जुलाई की रात को कैप्टन करिअप्पा को नियंत्रण रेखा के कोनिकल क्षेत्र पर कब्ज़ा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके लिए भी बहुत खतरनाक चढ़ाई पार करनी पड़ी। उस दौरान करिअप्पा की गर्दन पर काफी चोटें आईं।

कैप्टन करिअप्पा घायल होने के बावजूद रेंगते हुए ऐसी जगह पहुंच गए, जहां से दुश्मन पर नजर रखी जा सकती थी। उन्होंने निशाना साधा और दो पाकिस्तानियों को मार गिराया। अब दुश्मन की पकड़ ढीली हो गई। उस इलाके पर भारतीय सेना ने कब्जा कर लिया। इससे बौखलाए पाकिस्तानियों ने दो जवाबी हमले किए, जिन्हें भारतीय जवानों ने विफल कर दिया था। कैप्टन बलेयदा मुथन्ना करिअप्पा ने अद्भुत वीरता, शानदार नेतृत्व और अद्वितीय साहस का परिचय दिया। उन्हें 'वीर चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सांत्वना

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को मध्य प्रदेश के संदलपुर में बनासकांठा त्रासदी के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी और शोक संतप्त परिवारों को सांत्वना दी।

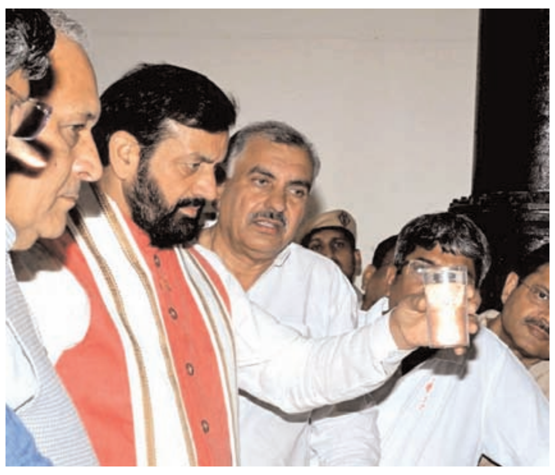

निरीक्षण

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैन शनिवार को हिसार के कैमरी रोड स्थित सेक्टर-15 में जलापूर्ति सुविधा का औचक निरीक्षण करते हुए।

बांधवगढ़ में बाघ सफारी का अभिन्न अंग बन रहे जंगली हाथी

उमरिया/दक्षिण भारत। लगभग छह साल पहले पड़ोसी राज्यों से आए जंगली हाथी इंसानों के प्रति दोस्ताना व्यवहार कर रहे हैं और धीरे-धीरे मध्यप्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व (बीटीआर) में सफारी के अनुभव का हिस्सा बन रहे हैं। बीटीआर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अधिकारी इन हाथियों को बीटीआर आने वाले पर्यटकों के लिए एक विशेषता के रूप में पेश करने पर विचार कर रहे हैं। बीटीआर के उप निदेशक प्रकाश कुमार वर्मा ने कहा कि हम निकट भविष्य में सफारी के दौरान जंगली हाथियों को दिखाने की योजना बना रहे हैं।

शुरू में इंसानों से सावधान रहने वाले ये हाथी अब पर्यटकों के साथ दोस्ताना व्यवहार करने लगे हैं, जो रिजर्व के आकर्षण को बढ़ाता है। इन हाथियों के आने की शुरुआत 2018-19 में हुई थी, जब लगभग 40 हाथी ओडिशा से छत्तीसगढ़ के रास्ते आए थे। तब से उनकी संख्या में वृद्धि हुई है, और पिछले कुछ वर्षों में उनके व्यवहार में उल्लेखनीय बदलाव आया है। वर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, पहले वे सफारी वाहनों का पीछा करते थे, जिससे आगंतुकों में चिंता पैदा होती थी।

उन्होंने कहा कि जब हाथी पहली बार आए, तो उनकी उपस्थिति ने स्थानीय लोगों और अधिकारियों दोनों को आश्चर्यचकित कर दिया। वर्मा ने कहा,ग्रामीणों ने उन्हें भगाने के लिए शुरू में पटाखों का सहारा लिया, जिससे हाथी और भड़क गए और अधिक नुकसान हुआ। बीटीआर के उप निदेशक ने कहा कि स्थिति से निपटने के लिए, बीटीआर ने स्थानीय लोगों को वैकल्पिक निवारक तरीकों को प्रशिक्षण देने के लिए दक्षिणी राज्यों, गैर सरकारी संगठनों और रिजर्व कर्मचारियों के विशेषज्ञों के साथ सहयोग किया।

उन्होंने कहा, ग्रामीणों को पटाखों के बजाय मिर्च के धुएं या हर्बल उत्पादों का उपयोग करने के लिए कहा जाता है।उन्होंने कहा कि समय के साथ, हाथियों और स्थानीय लोगों ने एक-दूसरे की उपस्थिति के साथ तालमेल बिठा लिया है। इस प्रगति के बावजूद, बीटीआर ने पिछले अक्टूबर में एक दुखद घटना देखी, जब 10 हाथी मृत पाए गए। 29 और 31 अक्टूबर के बीच रिपोर्ट की गई मौतों ने वन्यजीव संरक्षण हलकों में चिंता पैदा कर दी।

बाद में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उनके विसरा के नमूनों में साइक्लोपियाज़ोनिक एसिड की मौजूदगी की पुष्टि हुई, जो दर्शाता है कि हाथियों ने खराब कोदो पौधे या अनाज खाए थे। महीनों के दौरान, जंगली हाथी सफारी का हिस्सा बन गए।

माइक्रोसॉफ्ट की 50वीं वर्षगांठ पर उसके कर्मचारियों ने इजराइल के साथ अनुबंध का विरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की दिग्गज कंपनी 'माइक्रोसॉफ्ट' की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में उस समय बाधा उत्पन्न हुई जब उसके कर्मचारियों ने इजराइली सेना को कृत्रिम मेधा (एआई) प्रौद्योगिकी की आपूर्ति किए जाने के खिलाफ अपना विरोध जताया। यह विरोध उस समय जताया गया जब 'माइक्रोसॉफ्ट एआई' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मुस्तफा सुलेमान कंपनी के सह-संस्थापक बिल गेटस और पूर्व कार्यकारी अधिकारी स्टीव बाल्मर समेत कार्यक्रम में मौजूद लोगों को कंपनी के एआई सहायक उत्पाद 'कोपायलट' के संबंध में जानकारी दे रहे थे। इस बीच माइक्रोसॉफ्ट की कर्मचारी इब्तिहाल अबुसाद मंच की ओर बढ़ी और उसने चिल्लाकर कहा, मुस्तफा, तुम्हें शर्म आनी चाहिए। इसके बाद सुलेमान ने अपना भाषण रोक दिया। अबुसाद ने कहा, आप दावा करते हैं कि आप एआई का उपयोग अच्छे कामों के लिए करना चाहते हैं लेकिन माइक्रोसॉफ्ट इजराइली सेना को एआई हथियार बेचता है। पचास हजार लोग मारे गए हैं और माइक्रोसॉफ्ट हमारे क्षेत्र से इस नरसंहार को बढ़ावा देता है। सुलेमान ने कहा, विरोध जताने के लिए धन्यवाद। मैं आपकी बात सुन रहा हूं। इसके बाद अबुसाद ने चिल्लाते हुए कहा कि सुलेमान और पूरे माइक्रोसॉफ्ट के हाथ खून से सने हैं। उसने मंच पर 'केफियेह स्कार्फ' भी फेंका। यह स्कार्फ फलस्तीनी लोगों के प्रति समर्थन का प्रतीक बन गया है। बाद में अबुसाद को कार्यक्रम स्थल से बाहर निकाल दिया गया।

इसके बाद एक अन्य प्रदर्शनकारी एवं माइक्रोसॉफ्ट की कर्मचारी वानिया अग्रवाल ने भी समारोह में उस समय बाधा डाली जब गेटस, बाल्मर और वर्तमान सीईओ सत्य नडेला मंच पर थे। इस वर्ष की शुरुआत में 'एसोसिएटेड प्रेस' द्वारा की गई एक जांच से पता चला था कि गाजा और लेबनान में हाल के युद्धों के दौरान बमबारी के लिए लक्ष्यों का चयन करते समय माइक्रोसॉफ्ट और ओपनएआई के एआई मॉडल का उपयोग किया गया था। कंपनी की ओर से शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा गया, हम सभी की आवाज सुनने के लिए कई रास्ते उपलब्ध कराते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे काम में बाधा पैदा नहीं होनी चाहिए। अगर ऐसा होता है तो हम ऐसा करने वालों से किसी अन्य स्थान पर चले जाने के लिए कहते हैं।

कांग्रेस की नरमी के कारण वक्फ बोर्ड नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं : कंगना रनौत

शिमला। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने शनिवार को आरोप लगाया कि वक्फ बोर्ड के प्रति कांग्रेस की नरमी के कारण वे नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। अभिनेत्री से नेता बनीं रनौत ने कहा कि संसद द्वारा पारित वक्फ (संशोधन) विधेयक बड़े पैमाने पर भूमि हड़पने के मुद्दे का समाधान करेगा। मंडी निर्वाचन क्षेत्र के मझवाड़ इलाके में जनसंपर्क अभियान के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए रनौत ने वक्फ विधेयक के पारित होने का स्वागत किया और दावा किया कि आजादी से पहले ही वक्फ बोर्ड के गठन के पीछे एक बड़ी साजिश थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि इसका खामियाजा आज भी पूरा देश भुगत रहा है। भाजपा सांसद ने दावा किया कि नया कानून बड़े पैमाने पर अतिक्रमण के मुद्दे का समाधान करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि वक्फ बोर्ड के नाम पर बड़े पैमाने पर जमीन हड़पी गई हैं। रनौत ने दावा किया कि भ्रष्टाचार बहुत है और सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को साफ कर रहे हैं। रनौत ने कहा, कोई भी व्यक्ति, समुदाय या संगठन कानून से ऊपर नहीं हो सकता और यह विधेयक वक्फ बोर्ड को कानून के दायरे में लाएगा।

14 अगस्त को रिलीज होगी रजनीकांत की फिल्म 'कुली'

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के महानायक रजनीकांत की आने वाली फिल्म 'कुली' 14 अगस्त को रिलीज होगी। रजनीकांत एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने को तैयार हैं। उनकी आने वाली फिल्म 'कुली' की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। इस फिल्म का निर्देशन लोकेश कनगराज कर रहे हैं। यह फिल्म 14 अगस्त को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। 'कुली' के निर्देशक लोकेश कनगराज ने अपने इंस्टाग्राम पर इस फिल्म का ब्लैक एंड व्हाइट पोस्टर जारी करते हुए कैप्शन में लिखा, 'देवा आ रहा है, कुली 14 अगस्त से दुनिया भर में।' सामने आए पोस्टर में रजनीकांत सीटी बजाते नजर आ रहे हैं। 'कुली' में रजनीकांत के साथ आमिर खान भी नज़र आएंगे। 'कुली' में नागार्जुन अक्किनेनी, उपेन्द्र, सौबिन शाहिर, सत्यराज, श्रुति हासन, रेबा मोनिका जॉन और जूनियर एमजीआर की भी अहम भूमिका होगी। पूजा हेगड़े इस फिल्म में स्पेशल आइटम नंबर करती नज़र आएंगी।

पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर शनिवार को सोलन के सेराज निर्वाचन क्षेत्र के खौली ग्राम पंचायत के अंतर्गत चांदी गांव में पार्टी के युवा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और स्थानीय निवासियों से मिले।

फिल्म 'द पैराडाइज' के लिए किया बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन

मुंबई/एजेन्सी

नैचुरल स्टार नानी ने अपनी आगामी फिल्म द पैराडाइज के लिये जबरदस्त बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन किया है। नानी ने एक इंटरव्यू के दौरान द पैराडाइज के लिए अपने बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन के अनुभव और सफर के बारे में बात करते कहा, ये एक अलग तरह की एनर्जी है, जिसे मैं समझने की कोशिश कर रहा हूं। श्रीकांत ओडेला एक बहुत ही समझदार इंसान हैं, जिनकी सोच एकदम अलग और ओरिजिनल है। जब वो कुछ ठान लेते हैं, तो उसे पूरा करने के लिए पूरी तरह डटे रहते हैं। इसी तरह, उन्होंने मुझे भी बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन के लिए तैयार किया। पहले मुझे कभी नहीं लगा कि मेरी करियर के लिए इसकी जरूरत है। कई लोग मुझसे पूछते थे कि कब वर्कआउट करोगे, कब बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन करोगे। लेकिन मैं हमेशा सोचता था कि क्या सच में इसकी जरूरत है। क्या ये ऑन-स्क्रीन ज़रूरी लगेगा? लेकिन श्रीकांत ने मुझसे कहा, 'नहीं, मुझे यही चाहिए।' और फिर मैं इस पर जुट गया। नानी ने कहा, मुझे लगता है कि ऐसे लोगों का साथ होना ज़रूरी है, जो आपके अंदर की काबिलियत को आपसे भी ज्यादा पहचानें और आपको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। श्रीकांत ओडेला ने मेरे अंदर कुछ ऐसा देखा, जो शायद मैंने खुद नहीं देखा था, और उन्होंने मुझे इस बदलाव के लिए पुश किया। इस वक्त मुझे ठीक इसी तरह के इंसान की जरूरत थी, और वो एकदम सही समय पर आए, साथ में एक जबरदस्त आइडिया लेकर। हम जल्द ही शूटिंग शुरू करने वाले हैं। द पैराडाइज का निर्देशन श्रीकांत ओडेला कर रहे हैं। द पैराडाइज़, नानी के साथ उनकी दूसरी फिल्म है। यह फिल्म एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले बन रही है और इसका संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है।

रूमानी अदाओं से दीवाना बनाया दिव्या भारती ने

पुण्यतिथि के अवसर पर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में दिव्या भारती को एक ऐसी अभिनेत्री के तौर पर याद किया जाता है जिन्होंने अपनी रूमानी अदाओं से दर्शको के बीच खास पहचान बनायी। 25 फरवरी 1974 को मुंबई में जन्मी दिव्या भारती ने अपने करियर की शुरूआत वर्ष 1990 में प्रदर्शित तेलगु फिल्म बोबली राजा से की। बॉलीवुड में दिव्या भारती ने अपने करियर की शुरूआत वर्ष 1992 में प्रदर्शित राजीव राय की फिल्म विश्वात्मा से की। इस पिल्म मे दिव्या भारती पर फिल्माया यह गाना..सात समुंदर पार मैं तेरे पीछे पीछे आ गयी..दर्शको के बीच आज भी लोकप्रिय है। वर्ष 1992 में हीं दिव्या भारती की शोला और शबनम.दिल का क्या कसूर,दीवाना,बलवान,दिल आशना है जैसी कुछ फिल्में प्रदर्शित हुयी। दीवाना के लिये दिव्या भारती को फिल्म फेयर की ओर से डेब्यू अभिनेत्री का पुरस्कार दिया गया।

वर्ष 1992 से वर्ष 1993 के बीच दिव्या भारती ने बॉलीवुड की 14 फिल्मों में काम किया जो आज भी न्यू कमर अभिनेत्री के लिये एक रिकार्ड है। वर्ष 1992 में दिव्या भारती ने जानेमाने फिल्मकार साजिद नाडियाडवाला के साथ शादी कर ली लेकिन शादी के महज एक वर्ष के बाद 05 अप्रैल 1993 को दिव्या भारती की बिलडिंग से गिरकर मौत हो गयी। मौत के बाद दिव्या भारती की रंग और शतंरज प्रदर्शित हुयी। रंग टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुयी।

पंचतत्व में विलीन हुए मनोज 'भारत' कुमार, राजकीय सम्मान से किया गया अंतिम संस्कार

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दिग्गज फिल्मकार-अभिनेता मनोज कुमार पंचतत्व में विलीन हो गए हैं। मुंबई में जुहू के पवन हंस श्मशान घाट पर शनिवार को उनके परिजनों, मित्रों और प्रशंसकों की उपस्थित में राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। अभिनेता के पार्थिव शरीर को उनके पुत्र कुणाल गोस्वामी ने मुखाग्नि दी। मनोज कुमार की पत्नी शशि गोस्वामी श्मशान घाट पर थीं। सुपर स्टार अमिताभ बच्चन, अभिनेता अभिषेक, निर्माता-पटकथा लेखक सलीम खान और अभिनेता अरबाज खान भी मनोज 'भारत' कुमार को अंतिम विदायी देने के लिए पवन हंस श्मशान घाट पहुंचे लोगों में शामिल थे। अनु मलिक, राजपाल यादव और प्रेम चोपड़ा समेत कई सितारों ने शमशान घाट मनोज कुमार को अंतिम विदाई दी। दिग्गज भारतीय फिल्म अभिनेता मनोज कुमार का शुक्रवार को निधन हो गया। उपकार, क्रांति, हरियाली और रास्ता, रोटी, कपड़ा और मकान, पूरब पश्चिम जैसी हिट फिल्मों में अपनी अदाकारी के साथ हिंदी फिल्म प्रेमियों के दिलों पर पर लम्बे समय तक राज करने वाले मनोज कुमार को देशभक्ति फिल्मों के लिए जाना जाता था। मनोज कुमार को फिल्म उद्योग में उनके उत्कष्ट योगदान के लिए 1992 में 'पद्म श्री' और 2015 में प्रतिष्ठित 'दादा साहब फाल्के' पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

जमुनीया, जामुन के फल की तरह ही कई गुणों से भरपूर है मेरा किरदार : आलेया घोष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। शेमारू उमंग पर प्रसारित 'जमुनीया' शो अपने प्रसारण के बाद से ही दर्शकों का दिल छू रहा है और समाज में खूबसूरती, स्वीकृति और आंतरिक शक्ति को लेकर एक महत्वपूर्ण चर्चा छेड़ रहा है। यह कहानी जमुनीया नाम की एक लड़की की है, जो अपने सांवले रंग के कारण समाज की आलोचना का शिकार होती है। एक ऐसी दुनिया में जहाँ सुंदरता को अक्सर गोरेपन से जोड़ा जाता है, उसके लिए हर दिन एक नई चुनौती होता है। लेकिन, जमुनीया हार मानने वालों में से नहीं है, वह अपने आत्मविश्वास और साहस से इन भेदभावों का डटकर सामना करती है। शो के नाम और इसके गहरे अर्थ के बारे में बात करते हुए मुख्य अभिनेत्री आलेया घोष कहती हैं, जमुनीया, जामुन के फल की तरह ही कई गुणों से भरपूर है। जैसे जामुन सेहत के लिए लाभकारी होता है, वैसे ही मेरा किरदार 'जमुनीया' सिर्फ अपनी बाहरी सुंदरता तक ही सीमित नहीं है। वह निडर है और हमेशा सच के लिए खड़ी होती है। मौजूदा कहानी में, उसने खुद को बखूबी साबित किया है और वह जानती है कि अपने हक के लिए कैसे लड़ना है। वह किसी को भी खुद पर अन्याय नहीं करने देगी और अपने पति की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाएगी, भले ही उसका पति और परिवार उसे उसके रूप के कारण स्वीकार न करें। लोग अक्सर रूप-रंग के आधार पर निर्णय लेते हैं, लेकिन असली सुंदरता साहस, विनम्रता और आत्मबल में होती है। अब समय आ गया है कि हम त्वचा के रंग से आगे बढ़ें और अपने अंदर के हीरो को पहचानें।जमुनीया' का दुनिया का नज़रिया बदलने को लेकर उसकी संघर्ष से भरी यात्रा के ज़रिए, यह शो एक सशक्त संदेश देता है। सौंदर्य सिर्फ चेहरे की सुंदरता में नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संकल्प और सच्चे दिल में होता है। देखिए 'जमुनीया' शो, हर सोमवार से शनिवार, रात 8:00 बजे, सिर्फ शेमारू उमंग पर!

राशा ठडानी ने उठाई वनों की कटाई के खिलाफ आवाज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री राशा ठडानी ने वनों की कटाई के खिलाफ आवाज उठायी है। भारत, जैव विविधता से भरपूर देश है। यहां के घने जंगल असंख्य पक्षियों, जानवरों और पौधों की शरणस्थली हैं, लेकिन शहरीकरण और विकास के नाम पर इन अमूल्य प्राकृतिक संसाधनों का तेज़ी से विनाश हो रहा है। इस पर्यावरणीय संकट के खिलाफ आवाज़ उठाने वालों में राशा ठडानी भी शामिल हैं, जो प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण की प्रबल समर्थक हैं। राशा ने भारत में जारी वनों की कटाई पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा,भारत जैव विविधता से समृद्ध देश है। घने जंगल, जो अनगिनत पक्षियों, जानवरों और पौधों का घर हैं। फिर भी, हम चुपचाप देखते हैं कि कैसे ये जंगल विकास के नाम पर खत्म किए जा रहे हैं। हमारी वन्यजीवों को और कितनी तकलीफ सहनी पड़ेगी!

राशा की यह चिंता हाल ही में हैदराबाद में हुए बड़े पैमाने पर वनों की कटाई के मद्देनज़र और भी प्रासंगिक हो जाती है। वहां इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्टस के लिए हजारों पेड़ काटे गए हैं, जिससे न केवल जैव विविधता को नुकसान हुआ है, बल्कि बढ़ते तापमान और खराब होती हवा की गुणवत्ता ने भी लोगों को चिंता में डाल दिया है। राशा, जो प्रकृति से बेहद जुड़ी हुई हैं, हमेशा से पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं को उजागर करती रही हैं। उनका मानना है कि जंगल सिर्फ वन्यजीवों के लिए नहीं, बल्कि इंसानों की भी ज़रूरत हैं।

उन्होंने कहा,दुर्भाग्य से हम इंसान बहुत स्वार्थी हो गए हैं, सिर्फ अपने फायदे की सोचते हैं। लेकिन हमारी ही ज़िंदगी के लिए हमें इन जंगलों की ज़रूरत है। साफ हवा, साफ पानी और बेहतर भविष्य के लिए। हर पेड़ जो कटता है, हर जंगल जो खत्म होता है, हमें संकट के और करीब ले जाता है। राशा का कहना है कि विकास के लिए जंगल काटना एक विरोधाभासी बात है। यदि जीने के लिए हवा ही नहीं रहेगी, तो उस विकास का क्या फायदा।

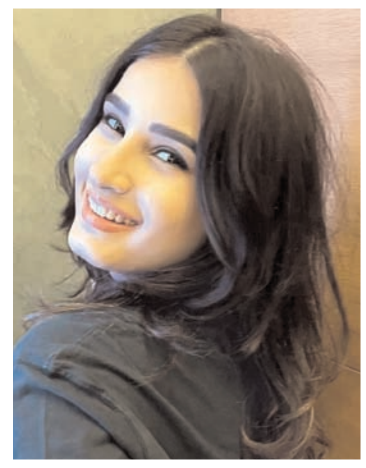

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के चामराजपेट में शनिवार को युवा संगठनों का मार्गदर्शन करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि धन का दुरुपयोग और नित नई वस्तुओं की लालसा, संसार की गरीबी एवं समस्याओं का मूल कारण है।

शांति और सद्भाव के लिए वैश्विक आह्वान है नवकार महामंत्र दिवस

बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क सहित अनेक स्थानों पर होगा आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वैश्विक जैन समुदाय 108 देशों में आयोजित होने वाले नवकार महादिवस के उत्सव की तैयारी कर रहा है। मुख्य समारोह नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित किया जा रहा है जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे तथा विशेष संबोधन देंगे। बेंगलूरु में यह समारोह 9 अप्रैल को सुबह 8:01 बजे से विशेष रूप से फ्रीडम पार्क, गांधीनगर में आयोजित किया जा रहा है जिसके लिए व्यापक तैयारियां चल रही हैं और अधिक भागीदारी के लिए शहर भर में वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला, गणेश बाग, यशवंतपुर स्थित मेवाड़ भवन व अन्य स्थानों पर भी आयोजन किया जा रहा है ।

इस आयोजन को लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए जीतो नार्थ के चेयरमैन विमल कटारिया ने कहा कि शहर में विराजित जैन समाज के सभी आचार्यों व संतों के सान्निध्य में यह आयोजन हो रहा है और मुख्य उद्देश्य मूल नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप है। जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने कहा, नवकार महादिवस लोगों को उनकी आस्था या पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना सभी को एक साथ लाने का एक अनुपम अवसर है, ताकि सार्वभौमिक शांति और सद्भाव का माहौल बनाया जा सके। जीतो के प्रकाश जैन ने सक्रिय भागीदारी की अपील की। जीतो नार्थ के मंत्री विजय सिंघवी ने बताया कि यह कार्यक्रम सभी के लिए खुला है। वार्ता के समापन में जीतो के पूर्व मंत्री सज्जनराज मेहता ने समस्त जैन समाज की ओर से धन्यवाद दिया। इस मौके पर दिनेश खिंवेसरा , महेंद्र रांका, अशोक भण्डारी , महावीर जैन, प्रवीण चौहान, नितिन लूणिया, मदन मुणोत, प्रितेश खाँटेड आदि उपस्थित थे।

धन का दुरुपयोग ही विभिन्न समस्याओं का मूल कारण : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चामराजपेट में शनिवार को युवा संगठनों का मार्गदर्शन करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि धन का दुरुपयोग और नित नई वस्तुओं की लालसा, संसार की गरीबी एवं समस्याओं का मूल कारण है। समग्र विश्व में सर्वत्र साधन-सामग्रियों का अत्यधिक भोग-उपभोग बढ़ गया है। अब लोग बचत की चिंता नहीं करते और कर्ज लेकर भी मौज करना चाहते हैं। किसी को भी जागतिक संतुलन या भविष्य में आने वाली आफतों की चिंता नहीं लगती। सामान्य लोग भी बिंदास होकर पैसे खर्च करते जा रहे हैं। इस बीच कोई बड़े-बुजुर्ग या अनुभवी व्यक्ति कहीं किसी को सावधान भी करते हैं तो लोग उनको हल्के अंदाज में लेते हैं। न्याय-नीति और इज्ज़त की बातों का लोग उपहास उड़ाते हैं। पिछले सौ वर्षों में संसार की नीति-रीति को जितना बदला गया है, उतना तो पिछले पांच-दस हजार वर्षों में भी परिवर्तन नहीं हुआ। अनाज, पानी, बिजली, वनस्पति, जीव-जंतु, खनिज, सबका अथाह अमर्यादित उपभोग आज दुनिया को उस मोड़ पर ले आया है, जहां स्पष्ट लग रहा है कि आने वाले दिन सुखद नहीं, दु:खदायी हैं। सब-कुछ स्वाहा होने की कगार पर है। नश्वर साधन-सामग्रियों के जाल में आधुनिक मनुष्य का जीवन पूरी तरह उलझता जा रहा है।

जैनाचार्य ने कहा कि आज संसाधन कम पड़ रहे हैं। बीमारियां बढ़ रही हैं। भोग-उपभोग की अंतहीन भूख मनुष्य में पागलपन ला रही है। बेरोजगारी बढ़ रही है, लेकिन पैसों की कद्र घट रही है। छोटे और सामान्य लोग भी इस कदर पैसे उड़ा रहे हैं जैसे दुनिया में कोई गरीब नहीं है। बेरोकटोक कोई किसी भी वस्तु को व्यर्थ-बरबाद कर देता है। समय, स्वास्थ्य, संबंध और मन:शांति की परवाह किए बिना सब मोबाइल पर टिके हैं। जीवन के वास्तविक अर्थ खोते जा रहे हैं।

जैनाचार्य ने समझाया कि किसी भी वस्तु का पूरा-पूरा उपयोग करने के बजाय, लोग उसे समय से पहले फेंकते जा रहे हैं। नित नई वस्तुएं खरीदने का शौक बढ़ गया है। रोज बेसुमार भोजन, पानी बरबाद हो रहा है और वस्तुएं कबाड़ बन रही हैं। इन सबको देखकर स्पष्ट लगता है कि आने वाला जमाना बहुत विकट और मुश्किलों भरा होगा। इस संक्रमण काल में शास्त्रों से मार्गदर्शन लेना चाहिए।

इस मौके पर आचार्य विमलसागर सूरीश्वरजी अपने वरिष्ठ शिष्य गणि पद्मविमलसागरजी के साथ बसवनगुड़ी, वीवी पुरम, शंकरमठ होते हुए चामराजपेट पहुंचे। जहां दिन भर यहां दर्शनार्थियों का तांता लगा रहा।

महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव हेतु वर्धमान प्रसादी का कार्य आरंभ हुआ

शूले एसएस जैन संघ में भट्टी पूजा कर हुई शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। समस्त जैन समाज के सहयोग से जैन युवा संगठन द्वारा 10 अप्रैल को फ्रीडम पार्क में प्रभु महावीर का 2624वां जन्मकल्याणक महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत ने बताया कि इस वर्ष वर्धमान प्रसादी के सहयोगी वैष्णवदेवी ग्रुप ऑफ कम्पनी के विमल कटारिया परिवार है। मंत्री नीरज कटारिया ने बताया कि इस वर्ष सभा स्थल पर नवकार महामंत्र दिवस का भी आयोजन किया जा रहा है।

भोजन कुकिंग व्यवस्था समिति के चेयरमैन मोनिश मुथा ने बताया कि वर्धमान प्रसादी निर्माण का कार्य शूले केएसएस जैन ट्रस्ट भवन में शनिवार को भट्टी पूजन से प्रारंभ हुआ।

प्रसादी बनाने का कार्य कई वर्षों से महेंद्र जोधपुरी के दिशा निर्देशन में ही किया जा रहा है। प्रसादी वितरण एवं पेयजल समिति के चेयरमैन आशीष तालेड़ा ने प्रसादी वितरण की रूपरेखा बताई। इस वर्ष भी विशेष चैत्र महीने की ओली तप आराधना करने वाले तपस्वियों के लिए आयंबिल की व्यवस्था की जा रही है और सभा स्थल पर शुद्ध शीतल पेयजल की व्यवस्था रहेगी। इस मौके पर संगठन-ट्रस्ट के अनेक पदाधिकारी व पूर्व पदाधिकारी उपस्थित थे।

जल संरक्षण में जैन सिद्धांतों का महत्वपूर्ण योगदान : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर के तत्वावधान में 'एक बूंद, एक सागर' जल संरक्षण कार्यशाला का आयोजन साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में किया गया। साध्वीश्री संयमलताजी ने कहा कि जल हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इस पर हमें विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, लेकिन आज जल संकट एक बड़ी समस्या बन गया है। जल प्रदूषण, जल की कमी, जलवायु परिवर्तन यह सब जल संकट के कारण है, हमें इस पर विशेष ध्यान देना होगा। हमारे जैन धर्म के सिद्धांतों में 14 नियम, 12 व्रत व छोटे-छोटे नियम लेकर जल सहित सभी जीवों की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। साध्वीश्री रौनकप्रभाजी ने कहा कि जल की बचत करनी चाहिए और सबको एकजुट होकर जल संरक्षण के उपाय जैसे जल का संचयन, जल का पुनर्चक्रण, जल की बचत आदि करके हम राष्ट्र को इस समस्या से छुटकारा पाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इस कार्यशाला में सभा के अध्यक्ष अशोक चौधरी, मंत्री चंद्रेश मांडोत, महिला मंडल की अध्यक्ष उषा चौधरी, मंत्री लता नवलखा सहित अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं।

जुलाई माह में होगा गुरु ज्येष्ठ पुष्कर आराधना भवन का उद्घाटन व प्रथम चातुर्मास

गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट की बैठक में हुए कई निर्णय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के ईटा गार्डन के पास स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट की कार्यकारिणी सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें वर्ष 2025 में आयोजित होने वाले चातुर्मास, चातुर्मास हेतु गुरुदेव के चातुर्मास प्रवेश एवं नव निर्माणाधीन भवन उद्घाटन से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन भवन उद्घाटन संबंधित कार्यक्रमों की बोलियों के लिए ट्रस्ट भवन में एक जून को कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में 4, 5 व 6 जुलाई को भवन उद्घाटन समारोह को भव्य रूप से आयोजित करने पर विचार विमर्श हुआ तथा कई निर्णय लिए गए।

बैठक में % जुलाई को गुरु ज्येष्ठ आराधना भवन में उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी, उपप्रवर्तिनी सत्यप्रभाजी, उपप्रवर्तिनी डॉ दर्शनप्रभाजी के चातुर्मास प्रवेश पर चर्चा हुई। इस बैठक में अध्यक्ष नेमीचन्द सालेचा, उपाध्यक्ष अशोक रांका, माणकचन्द बड़ेरा, महावीर धारीवाल, प्रवीण भंडारी, महामंत्री महावीर मेहता, सहमंत्री विनोद भुरट, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र गुलेच्छा, फूलचन्द लुकड़ सहित कार्यकारिणी सदस्य दिलीप चौपड़ा, बाबूलाल लुंकड, भरत भंसाली, पारस श्रीश्रीमाल व हीराचन्द लुकड़ आदि उपस्थित थे।

धर्म, धैर्य, मित्र और नारी की पहचान दु:ख में ही होती है : आचार्य पार्श्वचन्द्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ बेंगलूरु सेंट्रल के तत्वावधान में महावीर धर्मशाला में आचार्य पार्श्वचंद्रजी, डॉ पदमचंद्रजी के सान्निध्य में गतिमान आयंबिल ओली तप आराधना कार्यक्रम के अंतर्गत प्रवचन में आचार्य पार्श्वचन्द्रजी ने आयंबिल ओली के महत्व पर प्रकाश डाला। जयधुरंदरमुनिजी ने कहा कि नवपद की आराधना का दिवस सिद्ध पद की आराधना का दिवस है। सिद्धों की सेवा करने का उपाय है आत्मा की सेवा, आत्मरमणता। जयपुरंदरमुनिजी ने कहा कि संसार सुख दु:ख का चक्र है। सुख-दुख दिन रात की तरह आते जाते है, न एकांत सुखी ना एकांत दु:खी, दु:ख की रात के बाद सुख का प्रभात आता है। दुख के कीचड़ में ही सुख का कमल खिलता है। दु:ख के समय ही व्यक्ति को अपनों की पहचान होती है। धर्म, धैर्य, मित्र, नारी की पहचान दु:ख में ही होती है। नारी धैर्य की प्रतिमूर्ति होती है। नारी शब्द का विवेचन करते हुए कहा कि नारी जो कभी ना हारी। नारी अपनी शक्ति को जागृत करे तो नारी नारायणी का स्वरूप होती है। संतान की रक्षा के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर कर देती है। महासती शशिप्रभाजी आदि ठाणा ने नवकार गीतिका प्रस्तुत की।

आचार्य पार्श्वचंद्रजी ने बड़ी संख्या में आयंबिल के प्रत्याख्यान करवा कर मंगल पाठ प्रदान किया। बेंगलूरु सेंट्रल संघ के अध्यक्ष अशोककुमार रांका ने सभी का स्वागत किया। संघ के मंत्री महेंद्र मुणोत(केजीएफ) ने सभा का संचालन किया।

अंतरिम रिपोर्ट

बेंगलूरु में शनिवार को कोविड संबंधी घोटालों की जांच के लिए नियुक्त जांच आयोग के आयुक्त सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति जॉन माइकल डी कुन्हा ने जांच की अंतरिम रिपोर्ट मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को सौंप दी। इस अवसर पर मुख्य सचिव शालिनी रजनीश भी उपस्थित थीं।

जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट द्वारा नवकार महामंत्र जाप का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। संतश्री मलयप्रभसागरजी और मुकुलप्रभसागरजी की उपस्थिति में जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी द्वारा 9 अप्रैल को आयोजित होने वाले नवकार महामंत्र दिवस के लिए प्रचार प्रसार किया। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने कहा कि ट्रस्ट के सभी सदस्य महामंत्र दिवस पर जाप करेंगे।

प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने बताया कि इस जाप में जुड़ने हेतु रजिस्ट्रेशन जारी है। ट्रस्ट के प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि नवकार मंत्र जाप हेतु खरतर गच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी ने भी पूरे भारतवर्ष के संघों के नाम पत्र जारी कर जीतो के इस वृहत् अभियान में जुड़ने को कहा है। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष महेन्द्रकुमार रांका, पारसमल पगारिया, पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, भरत रांका, पंकज बाफना, विकास खटोड़ आदि सदस्य उपस्थित थे।

मुलाकात

बेंगलूरु में शनिवार को चिली गणराज्य के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट ने राजभवन का दौरा किया और राज्यपाल थावर चंद गहलोत से मुलाकात की। राज्यपाल ने चिली गणराज्य के राष्ट्रपति का गुलाब का गुलदस्ता भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया। बाद में, उन्होंने चिली से आये मंत्रियों और अधिकारियों की उपस्थिति में राज्यपाल के साथ चर्चा की। मुख्य सचिव डॉ. शालिनी रजनीश के साथ ही चिली गणराज्य के गणमान्य व्यक्ति, अधिकारी और राजभवन के अधिकारी उपस्थित थे।

सीतारमण ने एक साथ चुनाव के संबंध में झूठे दावों का खंडन किया

चेन्नई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 'एक देश, एक चुनाव' अवधारणा को लेकर किए जा रहे झूठे प्रचार को खारिज करते हुए शनिवार को स्पष्ट किया कि आगामी चुनावों में इसे लागू नहीं किया जाएगा। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान लगभग एक लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए और एक साथ चुनाव कराकर इतने बड़े खर्च को बचाया जा सकता है।

उन्होंने कहा, ''यदि संसद और विधानसभा के चुनाव एक साथ कराए जाएं तो देश के सकल घरेलू उत्पाद में करीब 1.5 प्रतिशत की वृद्धि होगी। मूल्य के संदर्भ में अर्थव्यवस्था में 4.50 लाख करोड़ रुपये जुड़ेंगे। यह 'एक देश एक चुनाव' अवधारणा का स्पष्ट उदाहरण है।''

सीतारमण ने कुछ पार्टियों पर 'एक देश एक चुनाव' पहल पर ''झूठा अभियान चलाने'' और इसका आंख मूंदकर विरोध करने का आरोप लगाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक साथ चुनाव 2034 के बाद ही कराए जाने की योजना है और तत्कालीन राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए अभी से आधार तैयार किया जा रहा है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com